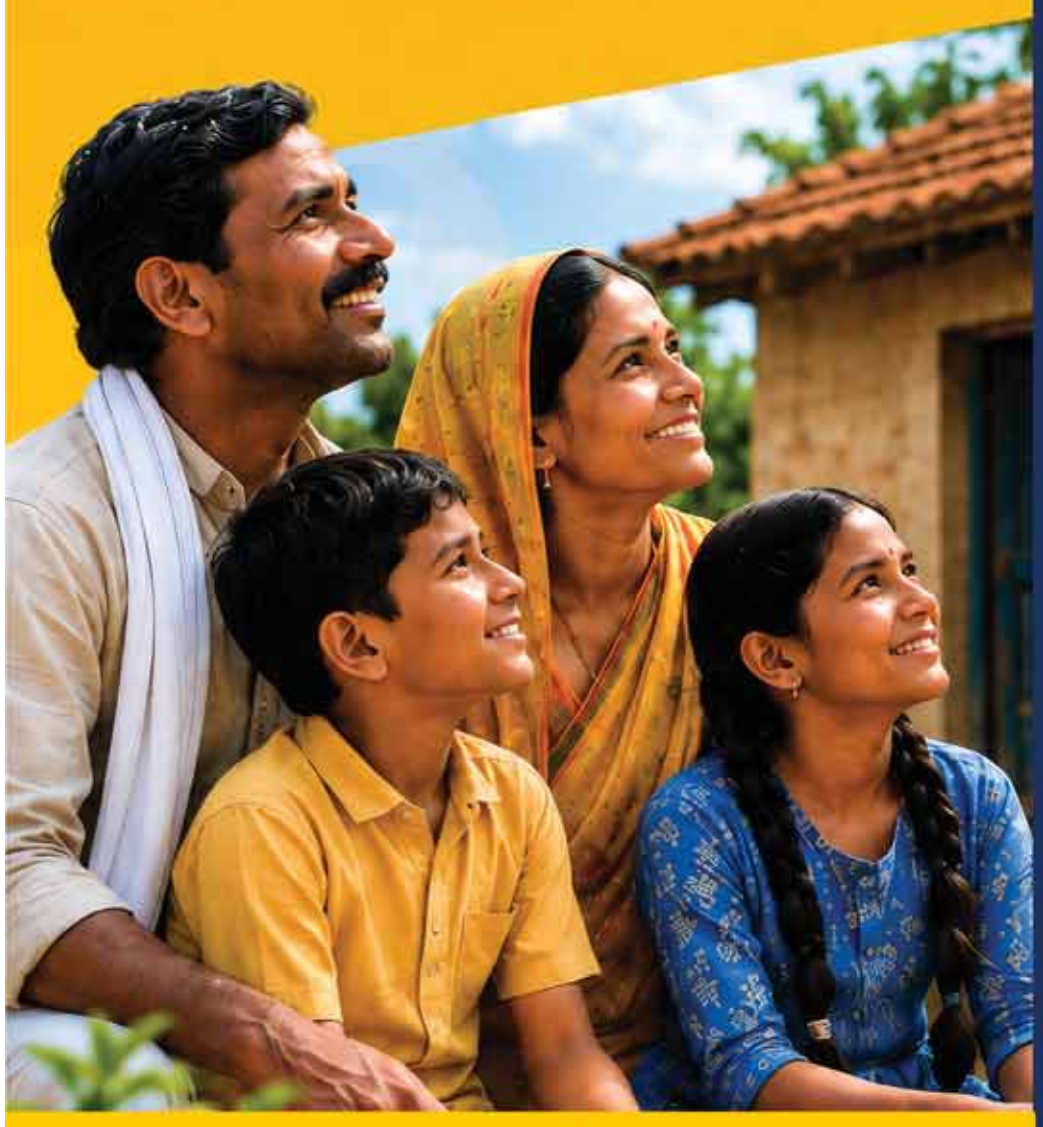

श्रावण कृष्ण पक्ष-9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 33 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
07 अगस्त 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
30.2 अधिकतम
24.3 न्यूनतम

अनदेखी: जगह-जगह क्षतिग्रस्त सुरक्षा घेरा, सुबह-शाम टहलने आने वाले लोगों ने जताई चिंता; तत्काल मरम्मत की उठी मांग

शाहपुरा लेक की टूटी रेलिंग बनी खतरे की घंटी, हादसे के इंतजार में नगर निगम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल की पहचान मानी जाने वाली शाहपुरा लेक इन दिनों बदहाल सुरक्षा व्यवस्था के कारण चर्चा में है। झील के किनारे लगी लोहे की रेलिंग कई स्थानों पर टूटी, जली और क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद नगर निगम इस गंभीर समस्या की अनदेखी कर रहा है।

शाहपुरा लेक पर हर दिन बड़ी संख्या में लोग सुबह-शाम सैर, व्यायाम और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंचते हैं। यहां बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की भी आवाजाही रहती है। ऐसे में टूटी हुई रेलिंग लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गई है। नागरिकों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति संतुलन खो दे तो उसके झील में गिरने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्रवासियों ने बताया कि झील के सौंदर्यीकरण पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन सुरक्षा संबंधी मूलभूत व्यवस्थाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि झील के पूरे क्षेत्र का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त रेलिंग को तत्काल बदला जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से पहले सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त हो सके।

वाराणसी मुठभेड़

दबोचे गए चांदी लुटेरे निकले इरानी गैंग के सदस्य, पांच लोगों की तलाश जारी

भोपाल/वाराणसी। दोपहर मेट्रो

वाराणसी के लंका क्षेत्र में तीन अगस्त की रात हुई पुलिस मुठभेड़ में घायल होकर पकड़े गए दोनों लुटेरे कुख्यात इरानी गैंग के सदस्य निकले। चौक पुलिस, एसओजी और लंका पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपितों की पहचान भोपाल निवासी मोहम्मद अली उर्फ शाबिर हसन और नर्मदापुरम निवासी माशाअल्लाह के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई को हुई 27 किलो चांदी लूटकांड में कुल सात बदमाश शामिल थे। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर चार किलो चांदी, 15 हजार रुपये, दो हथियार, चार कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद की गई है। गिरोह के पांच सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म आईसीजेएस और सर्विलांस तकनीक की मदद से आरोपितों तक पहुंचा गया। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल ट्रैकिंग के जरिए गिरोह की पहचान हुई। पुलिस ने संगठित अपराध की धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपितों की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

रिश्तेदार बनकर साइबर ठग ने रचा जाल, पुलिस ने शुरू की जांच

इलाज के बहाने रिटायर्ड अफसर के परिवार से 64 हजार रुपए उड़ाए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के शाहपुरा इलाके में साइबर ठगों ने रिश्तेदार बनकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी के परिवार को अपना शिकार बना लिया। अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार के इलाज के नाम पर आरोपित ने परिवार से 64 हजार रुपये ठग लिए। शाहपुरा पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, उधमिता विकास केन्द्र से सेवानिवृत्त 74 वर्षीय घनश्याम प्रसाद मिश्रा को एक अगस्त को एक व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को जबलपुर निवासी अशोक साहू बताते हुए कहा कि उसका रिश्तेदार अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है और तत्काल ऑपरेशन के लिए पैसों की जरूरत है। ठग ने फर्जी ट्रांजेक्शन का स्क्रीनशॉट और डॉक्टर का नंबर भेजकर भरोसा जीत लिया। इसके बाद मिश्रा और उनके परिवार के सदस्यों ने अलग-अलग खातों में कुल 64 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। अगले दिन और रकम मांगने पर संदेह हुआ। बैंक स्टेटमेंट की जांच में पता चला कि उनके खाते में कोई राशि आई ही नहीं थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्जी स्क्रीनशॉट से जीता भरोसा

साइबर ठग ने खुद को परिवार का परिचित बताते हुए फोन किया और कहा कि उसका रिश्तेदार अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। उसने दावा किया कि उसके खाते से पैसे ट्रांसफर नहीं हो रहे हैं, इसलिए वह पहले पीड़ित के खाते में रकम भेज रहा है। भरोसा दिलाने के लिए उसने फर्जी ट्रांजेक्शन का स्क्रीनशॉट और डॉक्टर का मोबाइल नंबर भी भेज दिया। स्क्रीनशॉट में भुगतान सफल दिखाया गया था, जिससे परिवार को लगा कि खाते में रकम आ चुकी है। इसी झांसे में आकर परिवार ने इलाज के लिए पैसे भेज दिए।

पूरे परिवार से ऐसे ऐंठे 64 हजार रुपये

ठग के झांसे में आने के बाद घनश्याम प्रसाद मिश्रा ने सबसे पहले 9 हजार रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद उसकी छोटी बहू ने 25 हजार, बड़ी बहू ने 10 हजार और इंदौर में रहने वाली बेटी ने 20 हजार रुपये बताए गए बैंक खातों में भेज दिए। इस तरह परिवार से कुल 64 हजार रुपये ठग लिए गए। अगले दिन आरोपित ने 11 हजार रुपये और भेजने का दबाव बनाया, जिसके बाद परिवार को शक हुआ और उन्होंने बैंक से जानकारी जुटाई।

ऐसे बचें साइबर ठगी से

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर बिना पुष्टि किए पैसे ट्रांसफर न करें। यदि कोई रिश्तेदार या परिचित बनकर आपात स्थिति का हवाला दे, तो पहले उससे सीधे संपर्क करें। केवल स्क्रीनशॉट देखकर किसी लेन-देन पर भरोसा न करें और बैंक खाते की पूरी जांच जरूर करें। किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या ऑनलाइन लेन-देन की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस थाने में दें। जागरूकता और सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

15 वर्षीय किशोरी से कथित दुष्कर्म का खुलासा

अस्पताल में बच्चे के जन्म के बाद खुला राज रिश्तेदार पर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में 15 वर्षीय किशोरी से कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना का खुलासा उस समय हुआ, जब किशोरी को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल ले जाया गया और उसने बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। काउंसलिंग और जांच के बाद कजलीखेड़ा पुलिस ने रिश्तेदार युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, किशोरी अपने परिवार के साथ रहती है और स्कूल की पढ़ाई छोड़ चुकी है। रिश्ते का एक युवक अक्सर उसके घर आता-जाता था। आरोप है कि करीब एक वर्ष पहले, जब किशोरी घर में अकेली थी, तब युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने उससे शादी का भरोसा भी दिलाया था।

मामला सामने आने के बाद घटनास्थल को लेकर करीब 15 दिनों तक मंडीदीप और कजलीखेड़ा थानों के बीच केस डायरी घूमती रही। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता के बयान कई बार बदले, जिसके कारण जांच प्रभावित हुई। अंततः कजलीखेड़ा थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

हबीबगंज इलाके में बदमाशों का तांडव, केस दर्ज

पुरानी रंजिश ने लिया हिंसक रूप, तीन दोस्तों पर चाकूओं से हमला; बाइक में भी की तोड़फोड़

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते बदमाशों ने तीन युवकों पर चाकुओं से हमला कर दिया। वारदात में तीनों युवक घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, ज्योतिबा फूले नगर निवासी लक्की सेन बुधवार रात अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान सोनू उर्फ पागल, राहुल नोटी और उनके कुछ साथी वहां पहुंचे। पुरानी दुश्मनी को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोपितों ने लक्की सेन पर चाकू से हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे उसके दोस्त नितेश जाटव और मान बहादुर को भी बदमाशों ने निशाना बनाया और उन पर चाकुओं से वार किए। हमले में मान बहादुर गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपितों ने लक्की की बाइक में तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है।

91वीं जयंती पर गांधी भवन में जुटेंगे देश के वरिष्ठ संपादक, पत्रकार, गांधीवादी और पत्रकारिता के विद्यार्थी

हिंदी पत्रकारिता के पुरोधा राजेंद्र माथुर को नमन भोपाल में आज सजेगा 'राजेंद्र माथुर प्रसंग-26'

भोपाल. दोपहर मेट्रो

हिंदी पत्रकारिता के महान संपादक, गांधीवादी चिंतक और विचारक राजेंद्र माथुर की आज 91वीं जयंती मनाई जा रही है। स्वतंत्रता के बाद हिंदी पत्रकारिता को नई दिशा देने वाले राजेंद्र माथुर ने अपने लेखन और वैचारिक दृष्टि से समाज और पत्रकारिता जगत को समृद्ध किया। उनकी चर्चित पुस्तक 'गांधी जी की अंतिम जेल यात्रा' आज भी बेहद लोकप्रिय है, जबकि महात्मा गांधी के जीवन और विचारों पर लिखे गए उनके करीब बीस शोधपरक लेख पत्रकारिता की अमूल्य धरोहर माने जाते हैं।

मूल रूप से अंग्रेजी के प्राध्यापक रहे राजेंद्र माथुर ने हिंदी पत्रकारिता को अपना कर्मक्षेत्र बनाया और अपनी लेखनी से अलग पहचान स्थापित की। इतिहास और समकालीन घटनाओं पर उनकी गहरी समझ उन्हें देश के महान संपादकों की श्रेणी में स्थापित करती है। उनकी स्मृति में भोपाल के गांधी भवन में आज शाम पांच बजे 'राजेंद्र माथुर प्रसंग-26' का आयोजन किया जाएगा। करीब 32 वर्ष बाद आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के वरिष्ठ पत्रकार, बुद्धिजीवी, गांधीवादी और उनके पूर्व सहयोगी शामिल होंगे। कार्यक्रम में पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर, प्रकाश दुबे, एन.के. सिंह, चंद्रकांत नायडू, उमेश त्रिवेदी, डॉ. सुधीर सक्सेना, प्रकाश हिंदुस्तानी, ओम प्रकाश मेहता, राजेश बादल, राजेश सिरोठिया, अंकित मिश्रा, अजय बोकिल और राजीव सोनी समेत कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहेंगी। विभिन्न विश्वविद्यालयों के पत्रकारिता के विद्यार्थी भी इसमें भाग लेंगे। आयोजन सभी नागरिकों के लिए खुला रहेगा।

सीएससी दिवस-2026 : भोपाल में सजा डिजिटल भारत का महाकुंभ

सीएससी ग्रामीण बदलाव की मजबूत नींव: सारंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो

नरोन्हा प्रशासन अकादमी, शाहपुरा में शुक्रवार को सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा 'सीएससी दिवस-2026' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

विश्वास सारंग ने कहा कि सीएससी ग्रामीण भारत के डिजिटल परिवर्तन का मजबूत आधार बन चुका है और देशभर के लाखों ग्राम स्तरीय उद्यमी सरकारी योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं। वहीं, राजेन्द्र शुक्ल ने सीएससी नेटवर्क को शासन और आमजन के बीच सशक्त सेतु बताया। कार्यक्रम में बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय समावेशन में सीएससी की भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर प्रदेशभर से आए कई ग्राम स्तरीय उद्यमियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और डिजिटल सेवाओं से जुड़ी योजनाओं की जानकारी साझा की गई।

मेट्रो एंकर रविवार और सार्वजनिक अवकाश पर बढ़ा संचालन समय

भोपाल मेट्रो में बदलाव: अब छुट्टियों में हर 15 मिनट में मिलेगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के मेट्रो यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिनों में मेट्रो सेवाओं का विस्तार करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था के तहत अब छुट्टियों के दिन यात्रियों को हर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो ट्रेन उपलब्ध होगी। इसके साथ ही संचालन समय में भी एक घंटे की बढ़ोतरी की गई है। नई व्यवस्था के अनुसार छुट्टियों के दिन सुभाष नगर स्टेशन से एम्स के लिए अंतिम मेट्रो शाम 7:30 बजे रवाना होगी, जबकि एम्स से सुभाष नगर के लिए आखिरी ट्रेन रात 8 बजे चलेगी। सामान्य कार्यदिवसों में सुबह 9 से 10:30 बजे और शाम 5:30 से 7 बजे तक पीक आवर्स में 15 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें चलती रहेंगी। मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों को आकर्षित करने के लिए रिटर्न टिकट, ग्रुप टिकट और ऐप ई-वॉलेट रिचार्ज पर विशेष छूट की भी घोषणा की है। साथ ही अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू होने से यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो गई है।

नई समय-सारिणी

रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भोपाल मेट्रो का संचालन अब पहले से अधिक सुविधाजनक होगा। नई व्यवस्था के तहत यात्रियों को हर 15 मिनट में ट्रेन उपलब्ध होगी। सुभाष नगर स्टेशन से एम्स के लिए अंतिम ट्रेन शाम 7:30 बजे रवाना होगी, जबकि एम्स से सुभाष नगर के लिए आखिरी मेट्रो रात 8 बजे चलेगी। मेट्रो प्रशासन का मानना है कि छुट्टियों के दौरान बढ़ने वाली यात्रियों की संख्या को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इससे परिवारों, विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों को काफी राहत मिलेगी। नई समय-सारिणी से यात्रियों का इंतजार कम होगा और यात्रा अधिक सुगम बनेगी।

टिकट और रिचार्ज पर खास ऑफर

यात्रियों को प्रोत्साहित करने के लिए मेट्रो प्रशासन ने कई आकर्षक छूट योजनाएं शुरू की हैं। रिटर्न टिकट खरीदने पर पांच प्रतिशत की छूट मिलेगी, जबकि समूह में यात्रा करने वालों को ग्रुप टिकट पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसके अलावा, मेट्रो ऐप के ई-वॉलेट में रिचार्ज करने पर यात्रियों को 8 से 15 प्रतिशत तक अतिरिक्त बोनस राशि मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि इन सुविधाओं का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सार्वजनिक परिवहन से जोड़ना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है।

अत्याधुनिक सिग्नलिंग से बढ़ी सुरक्षा

भोपाल मेट्रो में हाल ही में अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली लागू की गई है, जिससे दोनों ट्रैक पर नियमित और सुरक्षित संचालन शुरू हो गया है। नई तकनीक के जरिए ट्रेनों की निगरानी और संचालन पहले से अधिक बेहतर हो गया है। इससे यात्रियों को न केवल सुरक्षित सफर मिलेगा, बल्कि ट्रेनों की समयबद्धता में भी सुधार होगा। मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं के माध्यम से भोपाल मेट्रो को शहर के सबसे भरोसेमंद और सुविधाजनक परिवहन साधनों में शामिल करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

नाले में मिला 4 दिन के नवजात का शव

परिजनों का दावा- दफनाया था बारिश में मिट्टी बहने से बाहर आया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र के भौंरी इलाके में नाले से मिली चार दिन की नवजात बच्ची का शव मिला है। वहीं कुछ ही देर में शव की गुत्थी भी पुलिस ने सुलझा ली है। बच्ची के पैर में बंधे पहचान टैग के आधार पर पुलिस उसके माता-पिता तक पहुंची।

परिजनों ने बताया कि जन्म के कुछ ही समय बाद बच्ची की मौत हो गई थी, जिसके बाद उसे भौंरी मार्ग स्थित एक स्थान पर दफना दिया गया था। उनका कहना है कि लगातार बारिश के कारण मिट्टी बह गई और शव नाले तक पहुंच गया। पुलिस के अनुसार बीते दिन दोपहर नाले में नवजात का शव मिलने की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची थी। जांच के दौरान बच्ची के पैर में अस्पताल का पहचान टैग मिला, जिससे उसकी पहचान संभव हो सकी।

खजूरी सड़क थाना प्रभारी नीरज वर्मा ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम कराया गया है। सीहोर में उसके माता-पिता रहते हैं। डॉक्टरों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

श्रावण कृष्ण पक्ष-9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 33 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
07 अगस्त 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
30.2 अधिकतम
24.3 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

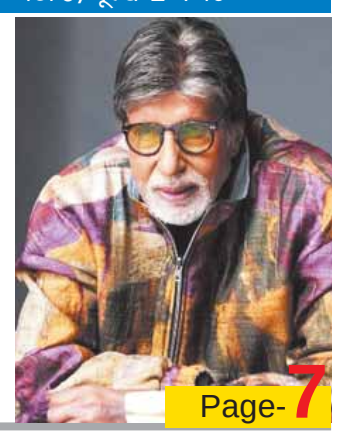

Page-7

अनुसूचित जाति आरक्षण का लाभ वंचितों को मिलेगा या संचितों का वंशवाद चलेगा?

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

एक प्रश्न मुझे लंबे समय से बेचैन करता रहा है। क्या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज के उन लाखों परिवारों तक आरक्षण का लाभ वास्तव में पहुंचा है, जिन्हें इसके लिए संविधान ने अवसर देने की कल्पना की थी, या फिर इसका बड़ा हिस्सा पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन्हीं परिवारों तक सीमित होता जा रहा है जो पहले से सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा के अवसरों का लाभ उठा चुके हैं?

मैं यह प्रश्न किसी पूर्वाग्रह से नहीं, बल्कि संविधान और कानून के अध्ययन तथा समाज को निकट से देखने के अपने अनुभव के आधार पर उठा रहा हूँ। मैं स्वयं सवर्ण समाज से आता हूँ, लेकिन पिछले तीन दशकों से मेरे घर में भोजन बनाने और परिवार की देखभाल करने वाली अधिकांश महिलाएँ अनुसूचित जाति और जनजाति समाज के अत्यंत वंचित परिवारों से रही हैं। उनकी मेहनत, संघर्ष और अभाव को मैंने बहुत करीब से देखा है। इसलिए मेरी चिंता किसी जाति के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन वंचित परिवारों के पक्ष में है जिन्हें आज भी पहली सरकारी नौकरी का अवसर तक नहीं मिला।

दलित समाज से ही जुड़े रामाशंकर प्रजापति की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्य बागची की कोर्ट में भी यह प्रश्न विचाराधीन है कि जिस प्रकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू है, क्या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के संदर्भ में भी इस विषय पर विचार होना चाहिए? इस मामले में केंद्र सरकार ने दस महीने का वक्त लेने के बाद जो जवाब पेश किया है उसने उसने एससी और एसटी समाज में क्रीमी लेयर की अवधारणा को सिरे से ख़ारिज किया है। केंद्रीय सामाजिक न्याय विभाग की ओर से जो जवाब पेश किया गया है वह संचितों का संरक्षण करने वाला दिख रहा है। सरकार का अपना संवैधानिक दृष्टिकोण हो सकता है, लेकिन मेरा प्रश्न उससे अलग है।

क्या सरकार यह बताने को तैयार है कि आज़ादी के 76 वर्षों में अनुसूचित जाति और जनजाति के कितने परिवारों को पहली बार सरकारी नौकरी मिली और कितने परिवार ऐसे हैं जिनकी दूसरी, तीसरी या चौथी पीढ़ी लगातार आरक्षण का लाभ ले रही है? यदि यह आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, तो सरकार सच्चर समिति की तर्ज पर एक उच्चस्तरीय राष्ट्रीय आयोग गठित करने से क्यों हिचक रही है? केंद्र और राज्यों में कुल सरकारी कर्मचारियों की संख्या देश की आबादी की तुलना में बहुत सीमित है। उनमें भी आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों का प्रतिशत अत्यंत कम है। ऐसे में यह जानना आवश्यक है कि इस सीमित अवसर का लाभ समाज के कितने अलग-अलग परिवारों तक पहुँचा और कितने परिवार आज भी उसी स्थान पर खड़े हैं जहाँ वे दशकों पहले थे।

तथ्यात्मक समीक्षा संविधान की भावना के अनुरूप

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का उद्देश्य किसी विशेष परिवार या वर्ग को स्थायी विशेषाधिकार देना नहीं था। बाबा साहब का लक्ष्य सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वंचित वर्गों को समान अवसर देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना था। यदि किसी वर्ग के भीतर ही अवसरों का लाभ सीमित परिवारों तक केंद्रित हो गया है, तो इस पर तथ्यात्मक समीक्षा होना संविधान की भावना के विरुद्ध नहीं, बल्कि उसके अनुरूप है। लेकिन केंद्र ने कहा है कि संविधान में सामाजिक और शैक्षणिक तौर पर पिछड़े लोगों को आरक्षण की बात कही गई है। ये वाक्य देश की सबसे बड़ी अदालत को गुमराह करने वाली दलील है। मैं आरक्षण समाप्त करने की बात नहीं कर रहा। मैं केवल यह चाहता हूँ कि जिन परिवारों तक आज तक यह अवसर नहीं पहुंचा, उन्हें भी आगे आने का वास्तविक अवसर मिले। यदि कोई परिवार शिक्षा, आर्थिक स्थिरता और सरकारी सेवाओं के माध्यम से समाज की मुख्यधारा में स्थापित हो चुका है, तो क्या सबसे पीछे खड़े परिवारों के लिए भी स्थान बनाने पर राष्ट्रीय बहस नहीं होनी चाहिए?

सरकार और न्यायपालिका दोनों को दिखाना होगा साहस

यह बहस भावनाओं से नहीं, आंकड़ों से तय होनी चाहिए। इसलिए केंद्र सरकार को चाहिए कि वह एक स्वतंत्र आयोग गठित कर देशभर में यह अध्ययन कराए कि अनुसूचित जाति और जनजाति के कितने परिवारों ने आरक्षण का लाभ पाया और कितने आज भी उससे पूरी तरह वंचित हैं। यदि अध्ययन बताए कि लाभ समान रूप से पहुंचा है तो बहस वहीं समाप्त हो जाएगी। लेकिन यदि सच इसके विपरीत निकले, तो सबसे वंचित परिवारों को न्याय दिलाने का साहस भी सरकार और न्यायपालिका दोनों को दिखाना होगा। मेरा संघर्ष किसी वर्ग के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है जिनकी आवाज़ आज भी व्यवस्था के गलियारों तक नहीं पहुंच पाई है। संविधान का उद्देश्य अवसरों का विस्तार था, अवसरों का संकेंद्रण नहीं। अब समय आ गया है कि इस प्रश्न का उत्तर तथ्यों के आधार पर पूरे देश के सामने रखा जाए। फिर देश की सर्वोच्च अदालत यह भी तय करे कि आरक्षण प्राप्त वर्गों को पदोन्नति में भी आरक्षण देना और जाति आधार पर बने कर्मचारी - अधिकारी संगठन कितने आचार संहिता और संविधान के दायरे में आते है।

न्यूज विंडो

उत्तराखंड में 6 नदियां उफान पर, मंदिर डूबे, 132 सड़कें बंद

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार बारिश से अलकनंदा, मंदाकिनी, भागीरथी समेत छह नदियां खतरे के स्तर पर बह रही हैं। हरिद्वार-ऋषिकेश में घाट और मंदिर डूब गए हैं। देहरादून, चमोली, बागेश्वर में स्कूल बंद हैं। राज्य की 132 सड़कें और बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री नेशनल हाईवे बंद किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई। 33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी घुस गया। बलिया में सरयू नदी में एक सप्ताह में अब तक 27 घर नदी में समा चुके हैं।

भिंड: नेपाल से पुणे जा रही बस की ट्रक से टक्कर, महिला की मौत

भिंड। नेपाल से पुणे जा रही स्लीपर बस भिंड में एलपीजी सिलेंडर से लदे ट्रक से टकरा गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि 15 यात्री घायल हैं। बस का ड्राइवर केबिन में फंस गया था, जिसे ग्रामीणों ने बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक, गैस सिलेंडर से लदे ट्रक ने आगे चल रहे ट्रॉला को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान वो सामने से आ रही बस से जा टकराया। एक्सीडेंट से बचने के लिए ड्राइवर ने समय रहते ट्रॉला सड़क से नीचे उतार दिया।

थाइलैंड: स्कूल में छात्र ने की फायरिंग, 6 की मौत 4 घायल

बैंकॉक। थाईलैंड के बैंकॉक के उत्तर स्थित नॉनथाबुरी के बैंग क्रुआई जिले में छात्र ने स्कूल में फायरिंग कर दी। थाईलैंड के नॉनथबुरी प्रांतीय पुलिस कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल डेचरापी कोंगड़ी ने रॉयटर्स को बताया कि फायरिंग के कारण एक शिक्षक सहित 6 की मौत हो गई। सदिंग्ध ने स्कूल में फायरिंग के बाद खुद को भी गोली मार ली है। इस घटना में एक शिक्षक और 3 छात्र घायल हैं।

सीबीआई की 94 पेज की चार्जशीट... महीनों पहले हुई थी नीट पेपर लीक की साजिश

पेपर तैयार करते समय सवाल याद कर लेते थे एक्सपर्ट्स, वॉट्सएप-टेलीग्राम से शेयर किए

नई दिल्ली, एजेंसी

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक की साजिश परीक्षा से कई महीने पहले रची गई थी। सीबीआई ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल 94 पेज की चार्जशीट में यह दावा किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक परीक्षा कराने वाली एजेंसी नीट के तीन सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स ने पेपर तैयार करने के दौरान ही सवाल याद कर लिए थे। चार्जशीट के मुताबिक, एक्सपर्ट्स एंटी ऑफिस से होटल लौटकर याद किए गए सवाल पर्चियों पर लिखते थे। इसके बाद इन्हें बिचौलियों और कोचिंग नेटवर्क के जरिए छात्रों तक पहुंचाया जाता था। सीबीआई का दावा है कि लीक पेपर टेलीग्राम, वॉट्सएप, पीडीएफ और अन्य डिजिटल माध्यमों से भी फैलाए गए।

चार्जशीट में 13 आरोपी बनाए गए हैं। इनमें एनटीए के तीन एक्सपर्ट्स भी शामिल हैं। एजेंसी का आरोप है कि तीनों ने पेपर तैयार करने और मॉडरेशन के दौरान अपने पद का दुरुपयोग कर पेपर लीक किए। पेपर लीक किसी एक व्यक्ति की हरकत नहीं थी, बल्कि एक्सपर्ट्स, प्राइवेट कोचिंग संचालकों, बिचौलियों और कुछ छात्रों की मिलीभगत से रची गई एक प्री-प्लान्ड साजिश थी। एजेंसी के अनुसार, कोचिंग संचालकों और बिचौलियों ने परीक्षा से कई महीने पहले ही तीनों एक्सपर्ट्स से संपर्क कर लिया था। इनके बीच लगातार बातचीत, मुलाकातों और पैसों के लेन-देन हुआ था।पेपर सेटिंग और ट्रांसलेशन के दौरान एक्सपर्ट्स को रफ वर्क के लिए सादे कागज दिए जाते थे। पीवी कुलकर्णी ने इन कागजों पर 135 केमिस्ट्री के सवाल और उसके ऑप्शन नोट किए। कुलकर्णी ने केमिस्ट्री पेपर का मराठी से अंग्रेजी में बैक-ट्रांसलेशन किया था।

पेपर सीधे छात्रों तक नहीं पहुंचता था, बल्कि एक्सपर्ट्स पहले बिचौलियों और प्राइवेट कोचिंग वालों को सवाल भेजते थे। बिचौलिए वॉट्सएप चैट, टेलीग्राम मैसेज, PDF और फोटो के जरिए छात्रों को पेपर भेजते थे। प्राइवेट कोचिंग में छात्रों से लीक सवाल हाथ से लिखवाए जाते थे। तलाशी के दौरान ऐसी कई हाथ से लिखी कॉपियां मिली हैं। एजेंसी के मुताबिक, यह तरीका डिजिटल सबूत छोड़ने से बचने के लिए अपनाया गया था। फोरेंसिक जांच में मिले डिजिटल सबूतों से पूरे नेटवर्क की पुष्टि हुई। मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय लोखंडे, शुभम मधुकर खैरनार और यश यादव इस नेटवर्क की अहम कड़ी थे, जो लीक पेपर आगे छात्रों तक पहुंचाते थे। यह पूरा घटनाक्रम 2025 के आखिर और 2026 की शुरुआत में हुआ था।

विशेषज्ञ, प्राइवेट कोचिंग संचालकों, बिचौलियों और कुछ छात्रों की रही मिलीभगत

कोचिंग वाले और डॉक्टर भी आरोपी

चार्जशीट में डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी, पुणे के सीओओ तेजस हर्षद कुमार शाह, रेणुकाई करियर सेंटर के मैनेजिंग पार्टनर शिवराज मोटेगांवकर और सिद्धि विनायक हॉस्पिटल के मालिक डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे को भी साजिश का हिस्सा बताया है। इन लोगों ने एनटीए के बाहर पूरे नेटवर्क का संचालन किया और लीक पेपर छात्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

13 आरोपियों के बैंक खाते फ्रीज: चार्जशीट में कहा गया है कि एक आरोपी ने लीक पेपर मिलने के बाद अपने सर्टिफिकेट्स और साइन किया हुआ खाली चेक भी सिक्योरिटी के तौर पर दिया था। एजेंसी का दावा है कि इससे साफ होता है कि यह पूरी तरह पैसों का सौदा था। CBI ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, सबूत मिटाने, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत मामला दर्ज किया है। एजेंसी ने आरोपियों के बैंक खाते, बैंक लॉकर और एक डीमैट अकाउंट भी फ्रीज किए हैं।

हूती का यमन-सऊदी पर हमला

58 सैनिकों की मौत, 11 घायल, कई जगह आग

रियाद। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गुरुवार देर रात को यमन और सऊदी अरब में एक साथ बड़े हमले किए। यमन में सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला हुआ है। इसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस हमले का जवाब सही समय और सही जगह पर दिया जाएगा।

दूसरी तरफ सऊदी के नजरान में हुए हमले में 11 नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी नागरिक, एक यमनी, दो मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक और 4 साल का एक बच्चा शामिल है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए दमकल और राहत टीमें तैनात की गईं। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बड़े हमले के बाद गृहयुद्ध भड़कने का खतरा बढ़ गया है। हूतियों ने पूर्वी यमन में सरकारी सेना के तीन सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। यह इलाका सऊदी समर्थित सरकार का मजबूत गढ़ माना जाता है और इसे हाल के वर्षों में हूतियों की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाइयों में गिना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी याचिका खारिज की

40 साल बाद बोफोर्स केस बंद

नई दिल्ली। करीब 40 साल पुराने बोफोर्स घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी याचिका भी खारिज कर दी। इसके साथ ही अब यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि अब इस केस में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने 2005 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली अपील भी सुनने से मना कर दिया, जिसमें हिंदुजा ब्रदर्स और बोफोर्स कंपनी को बरी कर दिया गया था। यह मामला 1986 की उस डील से जुड़ा है, जिसमें भारत ने स्वीडन की कंपनी बोफोर्स से 1,437 करोड़ रुपए की तोपें खरीदी थीं। बाद में आरोप लगे कि इस सौदे में कमीशन दिया गया था। घोटाले के आरोप से राजीव गांधी 1989 का चुनाव हार गए थे।

छिंदवाड़ा से शुरू हुआ मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान, जनता से डॉ. यादव का सीधा संवाद

छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज छिंदवाड़ा से राज्यव्यापी 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' की शुरुआत की। अभियान का उद्देश्य आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं की जमीनी हकीकत का आकलन और जनविश्वास को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री ने एफडीडीआई ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आईटीआई और लोक सेवा केंद्र का निरीक्षण भी किया। इसके बाद उनकी अध्यक्षता में जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनशिकायतों और आवेदनों के निराकरण की समीक्षा की गई। अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार अधिकारी फील्ड भ्रमण कर आमजन से सीधे संवाद करेंगे।

छिंदवाड़ा में आयोजित अभिनंदन समारोह में सीएम डॉ. यादव।

आज का कार्टून

रेजिडेंशियल-कमर्शियल विवाद...अब लंबित नहीं रहना चाहिए भोपाल का मास्टर प्लान

मनोज सिंह मीक
शहरी विकास
के शोधार्थी

अब 'हादसे' भी हैरान हैं 'गुजर कर' मुझसे,
मैं 'उजड़ने' के बाद भी 'बसा हुआ' लगता हूँ।

भोपाल के रिहायशी क्षेत्रों में कमर्शियल गतिविधियों के इस संकट का पूरा दायित्व केवल दुकान संचालकों पर डालना न्यायसंगत नहीं होगा। 1984 के भूमि विकास नियमों पर आधारित भोपाल विकास योजना 1995-2005 आज भी शहर के नियमन का आधार बनी हुई है। इस बीच जीवनशैली, शहर की आबादी, सीमाएं, सड़कें, अर्थव्यवस्था और नागरिक आवश्यकताएं पूरी तरह बदल चुकी हैं। बेरोज़गारी के कारण अनेक आवासीय मार्ग व्यावहारिक रूप से मिश्रित उपयोग वाले क्षेत्र बन गए, जबकि शासन के अलग-अलग विभागों ने कई प्रतिष्ठानों को व्यापार लाइसेंस, व्यावसायिक संपत्ति कर निर्धारण, बिजली कनेक्शन अथवा अन्य पंजीयन दिए। ये अनुमतियां अपने आप भू-उपयोग को वैध नहीं बनातीं, लेकिन इनके कारण नागरिकों में वैधता का विश्वास अवश्य पैदा हुआ। अतः जवाबदेही केवल व्यापारी की नहीं, उन संस्थाओं की भी तय होनी चाहिए जिन्होंने वर्षों तक इस विरोधाभास को बढ़ने दिया। मास्टर प्लान का लंबित रहना इस संकट की प्रमुख जड़ है, हालाँकि इसे प्रत्येक अनधिकृत उपयोग का स्वतः वैधीकरण भी नहीं माना जा सकता। रोजमर्रा की ज़रूरतों, किराना, क्लिनिक और छोटे कार्यालय जैसी कम प्रभाव वाली सेवाओं को होटल, मैरिज गार्डन, गोदाम, मेगा शोरूम अथवा अत्यधिक यातायात उत्पन्न करने वाले प्रतिष्ठानों के समान मानना वैज्ञानिक नगर नियोजन नहीं है।

समाधान के लिए सरकार को भूखंडवार जीआईएस सर्वे कर स्वीकृत भू-उपयोग, भवन अनुमति, वास्तविक उपयोग, सड़क की चौड़ाई, पार्किंग, फ़ायर सेफ्टी और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षमता सार्वजनिक करनी चाहिए। पात्र मुख्य मार्गों पर नागरिक परामर्श के बाद पारदर्शी वैधानिक प्रक्रिया से मिश्रित भू-उपयोग निर्धारित किया जा सकता है। समाधान पूरे शहर में समान मानदंडों पर हो; चुनिंदा और प्रतीकात्मक सीलिंग से समाधान नहीं निकलेगा।

आगे सरकार की पैरवी प्रमाणित आंकड़ों, विभागीय जवाबदेही और स्पष्ट वैधानिक रोडमैप पर आधारित होनी चाहिए। महानगरीय क्षेत्र की प्रस्तावित योजना को आधार बनाकर भोपाल का नया मास्टर प्लान और अधिक लंबित नहीं किया जाना चाहिए। अच्छी नगर योजना आजीविका और रहवासियों के अधिकारों में से किसी एक को नहीं चुनती, वह दोनों की रक्षा करती है।

धरती की खामोश चीख

सभ्यता का इतिहास बताता है कि मनुष्य ने जब-जब प्रकृति को अपनी विजय का साधन समझा, तब-तब प्रकृति ने उसे उसकी सीमाओं का एहसास कराया। कभी विकास की अंधी दौड़ में जंगल कटे, नदियां प्रदूषित हुईं और पहाड़ खोखले किए गए। उस दौर में पर्यावरण की चिंता करने वालों को प्रगति का विरोधी, अव्यावहारिक और कल्पनाशील आदर्शवादी कहकर उपहास का पात्र बनाया जाता था। आज वही आवाजें समय की सबसे बड़ी चेतावनी बन चुकी हैं। जलवायु परिवर्तन ने यह सिद्ध कर दिया है कि विकास और पर्यावरण के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि संतुलन ही मानव सभ्यता का भविष्य तय करेगा। धरती प्रतिदिन अपने घावों की कहानी कह रही है। कहीं बाढ़ जीवन लील रही है, कहीं सूखा खेतों को निगल रहा है, तो कहीं भूस्खलन और चक्रवात विकास की चमकदार तस्वीरों पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं। यह केवल प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला नहीं, बल्कि उन निर्णयों का परिणाम है, जिनमें आर्थिक लाभ को पारिस्थितिक संतुलन से अधिक महत्व दिया गया। प्रकृति बदला नहीं लेती, वह केवल हमारे कर्मों का प्रतिफल लौटाती है। ऐसे समय में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता किसी विचारधारा का आग्रह नहीं, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। कार्बन उत्सर्जन घटाना, ऊर्जा की बचत करना, जल और वन संपदा का संरक्षण करना तथा स्वच्छ तकनीकों को अपनाना अब केवल सरकारी योजनाओं की भाषा नहीं, बल्कि हर नागरिक के दैनिक आचरण का हिस्सा बनना चाहिए। पृथ्वी की रक्षा का दायित्व केवल नीति-निमार्ताओं का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का साझा उत्तरदायित्व है। हाल के वैश्विक युद्धों और ऊर्जा संकट ने भी दुनिया को यह सिखाया है कि तेल आधारित अर्थव्यवस्था स्थायी समाधान नहीं हो सकती। ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण सुरक्षा अब एक-दूसरे की पूरक अवधारणाएं हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ते कदम केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं, बल्कि विकास की नई नैतिकता के प्रतीक हैं। आने वाले समय में वही राष्ट्र सबसे मजबूत होंगे, जो हरित अर्थव्यवस्था को अपनी विकास रणनीति का आधार बनाएंगे। फिर भी सावधानी आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य विकास को रोकना नहीं, बल्कि उसे अधिक विवेकपूर्ण, न्यायपूर्ण और टिकाऊ बनाना है। किसी भी विचार का अतिवाद समाधान नहीं देता।

देश में खाप पंचायतों की परंपरा और संविधान के बीच संतुलन तलाशता समाज

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

हरियाणा के जींद जिले में नौगामा खाप की महापंचायत द्वारा प्रेम विवाह करने वाले जोड़ों के 21 गांवों में प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी कथित निर्णय ने एक बार फिर उस बहस को जीवित कर दिया है, जो समय-समय पर भारतीय समाज के सामने खड़ी होती रही है- क्या सामाजिक परंपराएं किसी बालिग नागरिक के संवैधानिक अधिकारों से ऊपर हो सकती हैं? यह विवाद केवल एक पंचायत या एक गांव तक सीमित नहीं है बल्कि बदलते भारतीय समाज, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक संरचनाओं के बीच संतुलन की चुनौती को भी सामने लाता है। खाप पंचायतों का इतिहास सदियों पुराना है। ग्रामीण समाज में उन्होंने विवाद निपटाने, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का कार्य किया है। अनेक अवसरों पर जल संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता और सामूहिक हितों से जुड़े निर्णयों में उनकी सकारात्मक भूमिका रही है इसलिए उन्हें नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। किंतु जब कोई निर्णय संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रभावित करता दिखाई देता है, तब उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

भारतीय संविधान प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अनेक निर्णयों में स्पष्ट कर चुका है कि दो वयस्कों का सहमति से किया गया विवाह कानून की दृष्टि में पूरी तरह वैध है। ऐसी स्थिति में किसी सामाजिक संस्था द्वारा ऐसे विवाहों पर रोक लगाने या सामाजिक बहिष्कार की घोषणा लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं मानी जा सकती।

इस पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक युवती का वीडियो चर्चा का केंद्र बन गया। उसने एक ऐसा सवाल उठाया, जिसे केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया कहकर टाला नहीं जा सकता। उसका प्रश्न था कि जब हरियाणा में वर्षों तक कन्या भ्रूण हत्या के कारण लड़कियों की संख्या कम होती रही और अनेक परिवार दूसरे राज्यों से महिलाओं को खरीद कर विवाह करने लगे, तब समाज की सामूहिक चेतना उतनी मुखर क्यों नहीं दिखाई दी? यदि सहमति से किया गया प्रेम विवाह सामाजिक संकट माना जाता है तो मानव तस्करी जैसी अमानवीय प्रवृत्तियों पर समान कठोरता क्यों नहीं दिखाई जाती? यह प्रश्न केवल खाप पंचायतों के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है। दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और बेटियों के प्रति भेदभाव जैसे अनेक सामाजिक संकट आज भी हमारे सामने हैं। यदि समाज की सामूहिक शक्ति इन समस्याओं के समाधान में अधिक सक्रिय हो तो उसका सकारात्मक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक होगा।

यह भी सत्य है कि हर प्रेम विवाह सफल नहीं होता। कई बार जल्दबाजी, अपरिपक्व निर्णय या पारिवारिक संवाद की कमी से रिश्तों में तनाव पैदा होता है। माता-पिता की चिंताएं भी कई बार वास्तविक होती हैं। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने निर्णय परिपक्वता, पारदर्शिता और परिवार के सम्मान को ध्यान में रखकर लें। संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है।

उधर, सामाजिक संस्थाओं को भी यह स्वीकार करना होगा कि बदलते समय में अधिकारों और स्वतंत्रताओं की नई समझ विकसित हुई है। परंपराओं का सम्मान आवश्यक है किंतु वे तभी टिकाऊ होती हैं जब वे न्याय, समानता और मानव गरिमा के साथ सामंजस्य स्थापित करें। समाज की भूमिका भय पैदा करने की नहीं, विश्वास बनाने की होनी चाहिए। एक और महत्वपूर्ण पक्ष प्रतिनिधित्व का है। जिन निर्णयों का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है, उनमें महिलाओं की भागीदारी कितनी है? क्या सामाजिक निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्गों की पर्याप्त सहभागिता सुनिश्चित है? लोकतांत्रिक समाज में यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना परंपरा और अधिकार का प्रश्न।

आज का भारत तेजी से बदल रहा है। शिक्षा, रोजगार, तकनीक और संचार ने नई पीढ़ी की सोच को नया आयाम दिया है। ऐसे समय में सामाजिक संस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे अपनी ऐतिहासिक भूमिका को बनाए रखते हुए संवैधानिक मूल्यों के साथ तालमेल बैठाएं। संवाद, समझ और सहमति का मार्ग ही समाज को आगे ले जा सकता है।

दरअसल, यह विवाद प्रेम विवाह बनाम परंपरा का नहीं बल्कि समाज की प्राथमिकताओं का है। यदि हम कन्या भ्रूण हत्या, दहेज, महिला सुरक्षा, शिक्षा और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर उतनी ही गंभीरता से एकजुट हों, जितनी व्यक्तिगत निर्णयों पर दिखाई देती है तो समाज अधिक स्वस्थ और संतुलित बन सकता है। लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि वह परंपराओं का सम्मान करते हुए भी व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इसलिए आवश्यकता किसी पक्ष की पूर्ण विजय की नहीं बल्कि ऐसे सामाजिक संवाद की है जिसमें परंपरा भी सम्मानित रहे और संविधान भी सर्वोच्च बना रहे। यही संतुलन भविष्य के भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

जर्सी का रंग बदलने पर विवाद... महान टीमें रंग नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित 'भगवाकरण' के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है?

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सेकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले साल 2014 विश्वकप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है।

विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड 'ऑल ब्लैक्स' और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्वकप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती।

दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे 'खेलों का भगवाकरण' करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुका है। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो।.

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता।

इतिहास बताता है कि महान टीमें रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

दांतों में क्रॉसबाइट की समस्या, जबड़े की सर्जरी की भी आ सकती हैं नौबत

अगर आपको खाना चबाते वक्त परेशानी महसूस होती या मुंह बंद करने पर ऊपर और नीचे के दांत ठीक तरह से आपस में नहीं मिल पाते हैं? आपको अपनी मुस्कान छिपानी पड़ती है ? अगर इस परेशानी को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर रहें हैं, तो सचेत हो जाना चाहिए। क्योंकि यह क्रॉसबाइट की समस्या हो सकती है। NCBI में पब्लिश्ड रिपोर्ट के अनुसार अगर मुंह बंद करने पर ऊपर के दांत नीचे के दांतों के आगे आने की बजाय पीछे चले जाए तो दांतों से

जुड़ी इस परेशानी को क्रॉसबाइट कहते हैं।

ज्यादातर लोगों में क्रॉसबाइट जेनेटिक कारणों से होने वाली समस्या है। माता-पिता के दांत भी अगर टेढ़े-मेढ़े हों, तो बच्चों में भी दांतों की बनावट ऐसी हो सकती है। इसके साथ ही जबड़े का विकास ठीक तरह से ना हो पाना, जन्म से ही जेनेटिक डिफेक्ट (क्लेफ्ट लिप या क्लेफ्ट पैलेट) होना, दांतों का असामान्य होना या जरूरत से ज्यादा दांत होना भी प्रमुख वजहें हैं। अगर दांतों पर ज्यादा दवाब डाला जाए तो भी क्रॉसबाइट होने की संभावना हो सकती है। बीएमसी जर्नल की स्टडी के अनुसार बचपन में ज्यादा वक्त तक अंगूठा चूसने की आदत, डेंटल क्राउन, ब्रेसिज़ का ठीक तरह से फिट ना होना या फिर जीभ का लगातार बाहर की ओर दबाना क्रॉसबाइट का कारण हो सकते हैं।

स्टैनफोर्ड मेडिसिन चिल्ड्रेन्स हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार क्रॉसबाइट के कारण जबड़े, मुंह, कंधे या गर्दन में दर्द रहना, बार-बार सिरदर्द होना, चबाने या खाने में समस्या होना, दांत पीसना, दांतों की सतह यानी इनेमल का घिसना, बोलने में दिक्कत या तुतलाना की समस्या होती है। बचने के लिए क्रॉसबाइट का इलाज करवाना जरूरी है।

ऑर्थोडॉन्टिक डिवाइस या सर्जरी की मदद सेड क्रॉसबाइट की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अगर बचपन में ही क्रॉसबाइट की जानकारी मिल जाती है, तो बच्चे के 10 वर्ष के होने के पहले ही इसे ठीक करने के लिए इलाज शुरू कर दिया जाता है। क्योंकि इसी समय जबड़े का विकास होता है। डॉक्टर ब्रेसिज़ या डेंटल हेडगियर के इस्तेमाल से इलाज कर सकते हैं। अगर वयस्कों में यह समस्या है, तो ब्रेसिज़, रेटाइनर्स, निकाले जाने वाले पैलेट एक्सपैंडर, ऑर्थोडॉन्टिस्ट द्वारा बताए गए इलास्टिक्स अत्यधिक गंभीर क्रॉसबाइट वाले वयस्कों को जबड़े की सर्जरी की सलाह दी जा सकती है।

निशाना

लोगों को भरमाया खूब...

रामकिशोर नाविक

राष्ट्रवाद को गाया खूब
इसी आड़ में खाया खूब
लहज़ा नौटंकी वाला
लोगों को भरमाया खूब
ढकने अपनी नाकामी
पुरखों को गरिआया खूब
अपनी हस्ती चमकाने
निजगुणगान गवाया खूब
देश पड़ा शर-शैया पर
हर दिन जश्न मनाया खूब।

टेक्नो अपडेट

छत नहीं अब बालकनी में बन सकेगी बिजली, बिल आधा करेगी तकनीक

सोलर पैनल्स को अक्सर आपने सिर्फ घरों या इमारतों की छतों पर लगा देखा होगा। यही वजह है कि सोलर सिस्टम को सिर्फ उन लोगों के काम चीज मान लिया जाता है, जो कि ऐसे घरों में रहते हैं, जिनकी अपनी छत होती है। हालांकि बालकनी सोलर टेक्नोलॉजी इस तस्वीर को बदल रही है। दरअसल जर्मनी में आपको ऐसे कई घर या फ्लैट देखने को मिल जाएंगे, जिनकी छतों पर नहीं बल्कि घरों की बालकनियों पर सोलर पैनल लगे होते हैं।

इन्हें बिजली बनाने के लिए छतो पर नहीं लगाना पड़ता और अगर पास बालकनी है, तो आप भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इनकी दूसरी खूबी है कि इनके लिए किसी तरह की वायरिंग नहीं करनी पड़ती। इन्हें सीधे प्लग में लगाने पर काम हो जाता है।अब ऐसा नहीं है कि ये बालकनी वाले सोलर सिस्टम आपके बिजली बिल को शून्य कर देंगे लेकिन ये भारी-भरकम बिजली बिल को हल्का जरूर बना सकते हैं। जैसा कि इसके नाम से समझ में आता है, ये सोलर सिस्टम छतों की जगह बालकनी में लगाने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। इसमें एक छोटा माइक्रोइन्वर्टर भी होता है, जो धूप से बनने वाली डीसी बिजली को एसी बिजली में बदल देता है। इसके प्लग को बिना किसी खास वायरिंग के पावर सॉकेट में लगाया जा सकता है और यह उसी पावर सॉकेट के जरिए आपके घर में बिजली देने लगती है। इस बिजली से तुरंत घर के पंखों, फ्रिज और लाइटों को चलाया जा सकता है। बालकनी सोलर सिस्टम का बड़ा फायदा है कि यह घर के फैंटम लोड यानी कि दिनभर बेवजह खर्च होने वाली बिजली को संभाल लेता है। करीब 300 से 800 वाट के छोटे बालकनी सोलर सेटअप से आप महीने के बिजली बिल में 15% से 30% तक की सीधी बचत कर सकते हैं। अगर बालकनी में जगह ठीक-ठाक हो, तो बिजली बिल आधा करने लायक बिजली भी इनसे बनाई जा सकती है। इस तकनीक को दुनियाभर में हाथों-हाथ लिया जा रहा है क्योंकि यह लोगों के बिजली बिल और सरकार के लिए बिजली की डिमांड दोनों को कम करती है।

फिलहाल भारत में पीएम सूर्यघर योजना के तहत रूफटॉप सोलर पर ही सब्सिडी दी जा रही है। इसके अलावा अभी तक बालकनी सोलर तकनीक को लेकर कोई स्पष्ट सरकारी नीति या सब्सिडी लागू नहीं है। हालांकि यह तकनीक शहरों की सोसायटियों में काफी कामयाब हो सकती है। दरअसल शहरों में हाई-राइज सोसायटी काफी तेजी से बढ़ रही हैं।

अजब - गजब

धूप से हीरों की तरह जगमगाता समुद्र तट, जैसे चारों तरफ बिखरे पड़े हैं शीशे ही शीशे!

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक समुद्र तट हैं, जिनमें से कोई अपनी सफेद रेत के लिए तो कोई नीले पानी के लिए जाना जाता है। लेकिन रूस में एक ऐसा बीच है, जिसकी चमक आंखों को चौंधिया देती है। रूस के व्लादिवोस्तोक शहर से महज 30 मिनट की दूरी पर स्थित उसूरी खाड़ी का तट आज दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस जादुई बीच को स्थानीय रूप से स्टेकल्याश्का या ग्लास बीच के नाम से जाना जाता है। यहां रेत दिखाई ही नहीं देती। चारों ओर सिर्फ रंग-बिरंगे शीशे फैले हैं। पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है, जैसे किसी ने किनारे पर करोड़ों कीमती और रंग-बिरंगे नगीने बिखेर दिए हों, लेकिन इसके पीछे की कहानी प्रकृति की अद्भुत कारीगरी का एक अनोखा उदाहरण है।

सोवियत संघ काल के दौरान इस तटीय क्षेत्र का इस्तेमाल एक डंपिंग यार्ड की तरह किया जाता था। पास की एक चीनी मिट्टी और कांच की फैक्ट्री बेकार कांच की बोतलों और चीनी मिट्टी के बर्तनों को यहीं फेंक देती थी। एक अन्य मान्यता के अनुसार, कांच के इस कचरे को नदियों द्वारा बहाकर समुद्र में लाया गया था। ऐसे में दशकों तक इस कचरे के कारण यह तट बेहद खतरनाक माना जाता था और लोग यहां जाने से कतराते थे। हालांकि, समय के साथ कुदरत ने अपना काम शुरू किया। प्रशांत महासागर की तूफानी लहरों, तेज हवाओं और पानी के थपेड़ों ने दशकों तक कांच के इन नुकीले टुकड़ों को आपस में रगड़ा और तराशा। लहरों के इस निरंतर प्रभाव से कांच के तीखे कोने घिसकर पूरी तरह से चिकने, गोल और हानिरहित पत्थरों में बदल गए। धूप खिलने पर ये कांच के टुकड़े मोमबत्ती और रंग-बिरंगे हीरों की तरह जगमगाते हैं। वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का मानना है कि प्रकृति की यह छंटाई और सफाई प्रक्रिया एक जीवंत प्रमाण है। ऐसा ही एक और प्रसिद्ध उदाहरण अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित फोर्ट ब्रैग के मैककेरिचर स्टेट पार्क में भी देखने को मिलता है, जहां 20वीं सदी के मध्य में प्रशांत महासागर की लहरों ने तटीय इलाके को खूबसूरत 'सी-ग्लास बीच' में बदल दिया था। एक्सपर्ट की मानें तो उसूरी खाड़ी का यह अनूठा दृश्य सदा के लिए नहीं रहेगा। आने वाले दशकों में महासागर की लहरें इन कांच के टुकड़ों को इतना घिस देंगी कि ये पूरी तरह से साधारण रेत के कणों में तब्दील हो जाएंगे।

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026

बलराम कृषि महोत्सव

15 जुलाई से 13 नवंबर 2026

अन्नदाता का सम्मान, आधुनिक कृषि के नवाचार और
प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक ही मंच पर समागम

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

भोपाल संभाग में महोत्सव

सीहोर	राजगढ़	भोपाल	रायसेन	विदिशा
7 अगस्त	9 अगस्त	11 अगस्त	13 अगस्त	16 अगस्त

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

- किसान और संवाद
- सम्मान का गौरवपूर्ण मंच
- आधुनिक कृषि का प्रदर्शन
- कृषि और संस्कृति का संगम

किसानों के हित में विभागों द्वारा कार्य

- 490 लाख मीट्रिक टन उद्यानिकी उत्पादन का लक्ष्य
- 4 गुना मुआवजा कृषि भूमि अर्जन पर ₹12 हजार पीएम किसान सम्मान एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण में सालाना
- 10 हॉर्सपावर तक ऊर्जा प्रभार में सब्सिडी ₹5 में बिजली का स्थाई कनेक्शन
- 60% खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन
- 50 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध संकलन का लक्ष्य
- 5,562 दुग्ध समितियों के माध्यम से 83 हजार सदस्यों का वित्तीय समावेशन
- 0% ब्याज दर पर फसल ऋण, भुगतान हेतु साल भर की सुविधा
- 32 लाख किसानों को पीएम कुसुम योजना सोलर पंप का लक्ष्य
- स्वरोज़गार को बढ़ावा महिला एवं ग्रामीण युवा जुड़ेंगे कुटीर उद्योगों से
- 1000 होम-स्टे बनाने का लक्ष्य ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहन
- जागरुकता का प्रसार कृषक कल्याणकारी कार्यक्रमों का
- 100 लाख हेक्टेयर सिंचाई को वर्ष 2028-29 तक करने का लक्ष्य
- वित्त पोषण नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स से सिंचाई परियोजनाओं का विस्तार
- संस्कृति को प्रोत्साहन श्री अन्न, ग्रामीण व्यंजन एवं स्थानीय परम्पराओं को प्रोत्साहन
- 50% तक सब्सिडी कृषि आधारित उद्योगों को
- ₹6000 करोड़ के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य
- ₹12,400 करोड़+ का संभावित निवेश

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11072/26

न्यूज विंडो

लूट के 4 प्रकरणों सहित 6 मामलों में फरार 17 हजार के दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

धार। जिले में फरार एवं इनामी अपराधियों की धरपकड़ तथा संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक धार के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान थाना टांडा पुलिस ने लूट के चार प्रकरणों सहित मारपीट एवं डकैती की तैयारी के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। दोनों आरोपियों पर विभिन्न अपराधों में कुल 17,000 रुपए का इनाम घोषित था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक संजय कुमार रावत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर फरार इनामी आरोपियों की तलाश की जा रही थी। मुखबिर सूचना एवं सतत प्रयासों के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी सुखराम एवं संजय वसुनिया को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी थाना टांडा के लूट, मारपीट एवं डकैती की तैयारी के विभिन्न प्रकरणों में फरार चल रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ थाने पर कुल 6 अपराध दर्ज है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक संजय कुमार रावत, सउनि योगेन्द्रसिंह मावी, सउनि रामदास सोलंकी, सउनि रामसिंह हटीला, प्रधान आरक्षक रामसिंह सस्तिया, प्रधान आरक्षक माधवसिंह वसुनिया, प्रधान आरक्षक बच्चुसिंह चौहान, की सराहनीय भूमिका रही।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक में की चर्चा

तेंदूखेड़ा। आगामी स्वतंत्रता दिवस के सफल एवं गरिमामय आयोजन को लेकर तहसील कार्यालय के सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक अधिकारियों की आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सीजी गोस्वामी ने की। बैठक में तहसीलदार विवेक व्यास, तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी, कानूनगो दिनेश प्यासी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आयोजन से जुड़े विभिन्न दायित्वों पर चर्चा करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अनुविभागीय अधिकारी गोस्वामी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव एवं सम्मान का पर्व है, जिसे पूरे उत्साह, गरिमा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही समारोह स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने, साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने का आह्वान किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर चलाएंगे जनजागरण अभियान

सिरोंज। भारतीय जनता पार्टी संगठन नगर मंडल की मासिक बैठक आयोजित की गई। पार्टी संगठन के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व की योजना और सिरोंज लटेरी के लोकप्रिय विधायक उमाकांत की शर्मा के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल सिरोंज की आगामी योजना हेतु आत्मनिर्भर मंडल बैठक का आयोजन अवसर पर पार्टी नेतृत्व द्वारा बताए गए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय हुई। इस अवसर पर प्रदेश संगठन द्वारा आगामी विभिन्न कार्यक्रमों के संदर्भ में चर्चा हुई। 13 से 15 अगस्त तक भाजपा संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने के उद्देश्य से आह्वान किया कि 14 अगस्त की भारत विभाजन विभीषिका दिवस का स्मरण करना एवं 15 अगस्त को राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाने वाले स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक घर पर तिरंगा झण्डा फहराने के लिए सघन सतत् संपर्क कर अभियान को सफल बनाने के लिए वक्ताओं ने मार्गदर्शित किया। इस अवसर पर अन्य समसामयिक विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक के अंत में भारतीय जनता पार्टी संगठन से मनोनीत किए गए नवनियुक्त एल्डरमैनो को बधाई भी दी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता हरीबाबू भार्गव जी, संतोष जी चौरे,चांदमल जी जैन, शिवकुमार भार्गव,मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह मंडल महामंत्री सुमंत मित्तल नपाध्यक्ष मनमोहन साहू सहित वरिष्ठ मंडल पदाधिकारीगण, मोर्चा प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

श्रावण में शिवमहापुराण कथा शुरू, 12 अगस्त तक आयोजन

सिरोंज। श्रावण मास में श्री महाकाल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सप्त दिवसीय श्री शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। आयोजन छतरी हनुमान मंदिर धर्मशाला में हुआ। पहले दिन पार्थिव शिवलिंग निर्माण हुआ। पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। रुद्राभिषेक हुआ। पूजन हुआ। परिसर ॐ नमः शिवाय के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र अर्पित किए। धतूरा अर्पित किया। जल अर्पित किया। सुबह से मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भक्तों ने बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। दोपहर 2 बजे से आचार्य पंडित प्रमोद चतुर्वेदी ने शिवमहापुराण कथा का आरंभ कराया। व्यासपीठ से उन्होंने शिव महिमा का वर्णन किया। कथा के नियम बताए। शिव नाम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिवमहापुराण सुनने से जीवन में सुख मिलता है। शांति मिलती है। मोक्ष की प्राप्ति होती है। मंगलाचरण हुआ। वंदना हुई। भगवान शिव का आह्वान हुआ। माता पार्वती का आह्वान हुआ। पंचाक्षर मंत्र ओम नमः शिवाय के जाप का महत्व समझाया गया। आचार्य ने कहा कि शिव नाम स्मरण मात्र से पापों का नाश होता है। भक्तों को भगवान शिव की विशेष कृपा मिलती है। शिवपुराण श्रवण के नियम बताए गए। कथा श्रवण से मिलने वाले पुण्य फल की जानकारी दी गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कथा सुनी। शिव भजनों पर श्रद्धालु झूमे।

खाद की किल्लतः एसडीएम के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ आंदोलन

यूरिया की कमी से नाराज किसानों ने चक्काजाम कर किया विरोध-प्रदर्शन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में बीते दिन यूरिया खाद की उपलब्धता एवं टोकन पर्ची नहीं मिलने से नाराज किसानों ने जबलपुर-दमोह मुख्य मार्ग पर बस स्टैंड के समीप चक्का जाम कर दिया। सुबह लगभग 9 बजे शुरू हुआ यह प्रदर्शन करीब डेढ़ घंटे तक चला, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित रहा।

प्रदर्शन में किसान धनसिंह गौड़, राजेंद्र यादव (हरई, तेजगढ़), परम बंसल, लीलाधर, साहब सिंह (मांझा ग्राम), गुड्डू गौड़ (बैलवाड़ा), धनसिंह (अचलपुरा) सहित पौड़ी, तेजगढ़, तारादेही, चदना, बमनौदा, जामुनखेड़ा, मानपुरा, सलैया, सैलवाड़ा और साईपुरा सहित विभिन्न गांवों के बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान किसानों ने किसान यूनियन के समर्थन में नारेबाजी करते हुए शीघ्र खाद उपलब्ध कराने और सभी किसानों को टोकन जारी करने की मांग की। किसानों का आरोप था कि खाद वितरण केंद्र पर कर्मचारियों ने यह कहकर टोकन देने से मना कर दिया कि वर्तमान में यूरिया उपलब्ध नहीं है और खाद आने के बाद ही टोकन जारी किए जाएंगे। जब किसानों ने खाद आने का समय पूछा तो उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। इससे आक्रोशित किसानों ने सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया। हालांकि प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस को तत्काल रास्ता दिया, जिससे वह बिना किसी बाधा के अपने गंतव्य की ओर रवाना हो सकी। किसानों का कहना था कि हम दूर-दूर से आए हैं और आने-जाने में 200-300 रुपये खर्च हो जाते हैं समय अलग से खराब होता है। सूचना मिलते ही एसडीएम सीजी गोस्वामी, एसडीओपी अर्चना अहीर, तहसीलदार विवेक व्यास, नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी, थाना प्रभारी सरोज सिह ठाकुर, उपनिरीक्षक संजय सिंह एवं उपनिरीक्षक गजराज सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों से चर्चा कर उन्हें समझाया कि एक दिन पूर्व लगभग 5, हजार बोरी खाद का वितरण होने से व्यवस्था प्रभावित हुई है और अगले दिन तक पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करा दी जाएगी। हालांकि किसान सभी को तत्काल टोकन जारी करने की मांग पर अड़े रहे। बाद में एसडीएम सी.जी. गोस्वामी ने किसानों को आश्वस्त किया कि शाम तक खाद उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा तथा सभी किसानों को जनपद पंचायत परिसर में दिनांक वार टोकन पर्ची जारी की जाएगी। निर्धारित तिथि पर संबंधित किसानों को खाद का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद किसानों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया और पुलिस प्रशासन ने यातायात को सुचारु कराया।

जंगल में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

थाना गोटेगांव क्षेत्र के एक ग्राम में 8 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म एवं हत्या की घटना सामने आई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को चंद घंटों गिरफ्तार कर लिया है।

स्कूल से निकली बालिका घर नहीं पहुंची, परिजनों ने दर्ज करायी एफआईआर परिजनों के अनुसार 5 अगस्त को बालिका विद्यालय से यह कहकर छुट्टी लेकर निकली थी कि उसके पिता ने उसे बुलाया है। किंतु वह घर नहीं पहुंची। परिवार द्वारा गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाश की गई, परंतु बालिका का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने चैकी झौतेश्वर, थाना गोटेगांव में एफआईआर दर्ज कराई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर तलाश शुरू की। प्रारंभिक खोजबीन के बावजूद कोई जानकारी प्राप्त नहीं होने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने संभाली कमान एवं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया एवं अन्य अधिकारी तत्काल घटनास्थल पहुंचे गांव वालों के साथ मिलकर वैज्ञानिक पद्धति से जंगल में सर्च ऑपरेशन को और व्यापक रूप दिया गया। पुलिस बल ने देर रात तक लगभग 7 से 8 घंटे जंगल, झाड़ियां, खेत एवं निर्जन क्षेत्रों में लगातार खोजबीन जारी रखी। देर रात्रि तलाशी के दौरान गांव से करीब 1.5 किलोमीटर दूर घने जंगल में एक बालिका का शव दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा निकट जाकर जांच करने पर पाया गया कि बालिका की मृत्यु हो चुकी है।

एफएसएल एवं फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों ने जुटाए साक्ष्य

घटनास्थल को तत्काल सुरक्षित कर फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों द्वारा फिंगर प्रिंट संकलित किए गए तथा एफएसएल टीम द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए गए। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, परिस्थितिजन्य प्रमाणों एवं मुखबिर तंत्र के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच प्रारंभ की। प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हुआ कि बालिका के साथ पहले दुष्कर्म किया गया, विरोध करने पर उसकी हत्या कर दी गई। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि हत्या दोपहर लगभग 2 बजे से 3:30 के मध्य की गई है।

पेटीएम के जरिए बैंक खाते से उड़ाए 94 हजार रुपए

धार। दोपहर मेट्रो

पीथमपुर के सेक्टर 02 थाना अंतर्गत पुराना लोधी मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति के बैंक खाते से अज्ञात ठगों द्वारा लगातार अवैध ट्रांजैक्शन कर 94 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस नेअज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित महेश ठाकुर निवासी पुराना लोधी मोहल्ला, पीथमपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके बैंक अकाउंट नंबर 5346342029 से 28 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 के बीच अज्ञात साइबर ठगों ने पेटीएम के माध्यम से लगातार सेंध लगाई। इन तीन-चार दिनों के अंतराल में उनके खाते से कुल 94 हजार रुपये किसी अन्य अज्ञात बैंक खाते में ट्रांसफर कर लिए गए। जब पीड़ित को खातों से रकम कटने का संदेश मिला, तब उन्हें अपने साथ हुई इस बड़ी साइबर ठगी की जानकारी लगी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। साइबर सेल की मदद से उन बैंक खातों और आईपी एड्रेस लोकेशन खंगाली जा रही है, जिनमें यह राशि ट्रांसफर की गई है।

कुलगुरु को सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में विभिन्न समस्याओं को लेकर अभाविप का प्रदर्शन

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जबलपुर महानगर के कार्यकर्ताओं ने आज रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों की विभिन्न समस्याओं एवं विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं के विरोध में लगभग तीन घंटे तक जोरदार नारेबाज़ी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से परिषद ने विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान छात्रों के समक्ष उपस्थित गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित किया। प्रदर्शन के दौरान विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। परिषद ने ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्रहितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समस्याओं का शीघ्र एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की। प्रांत मंत्री सुव्रत बांझल ने कहा कि लंबे समय से छात्रों को परीक्षा, परिणाम, प्रशासनिक कार्यों तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है

महिला का अपहरण और दुष्कर्म, जीजा सहित चारों आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने निकाला जुलूस

धार। दोपहर मेट्रो

टांडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कालीदेवी में एक महिला का घर से अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीडिता के जीजा ने दोस्ति के लिए साली का अपहरण किया था, आरोपी पीडिता को लेकर जंगल में पहुंचे थे। जहां मुख्या आरोपी करम सिंह सिंगार ने रेप किया था, इधर गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने गांव में आरोपियों का जुलूस निकाला, ताकि अपराध को लेकर आरोपियों में खौफ पैदा हो व कानून व्यवस्था बनी रहे।

थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, ग्राम कालीदेवी निवासी पीड़िता 3 अगस्त की देर रात अपने आंगन में सास और ससुर के साथ सो रही थी। उसी दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी जीजा दीपक (पिता रमेश सिंगार) और करमसिंह (पिता बीगन सिंगार) वहां पहुंचे। आरोपियों ने जबरन महिला का अपहरण कर लिया। जब परिजनों ने विरोध किया, तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद आरोपी अपने दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर महिला को बाइक पर बैठाकर ग्राम नरवाली के जंगल की तरफ ले गए। परिजनों की सूचना पर पुलिस और परिजन महिला की तलाश में जुट गए। 4 अगस्त की सुबह जब परिजन जंगल पहुंचे, तो मुख्य आरोपी करमसिंह मौके से फरार हो गया, जबकि अन्य आरोपी वहां से जा चुके थे। परिजन पीड़िता को तुरंत थाने लेकर पहुंचे, जहां पुलिस ने त्वरित कदम उठाते हुए मेडिकल मुआयना कराया और महिला पुलिस अधिकारी के समक्ष बयान दर्ज किए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी करमसिंह ने उसे पत्नी बनाने की बात कहकर मारपीट की और उसके साथ दो बार दुष्कर्म किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर और एसडीओपी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजय कुमार रावत ने टीम के साथ जंगल में दबिश दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चारों आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस ने इस मामले में आरोपी भंगु पिता गणपत डावर उम्र 28 साल निवासी नरवाली, जीजा दीपक पिता रमेश सिंगार उम्र 28 साल निवासी नरवाली, मुख्यण आरोपी करमसिह पिता बीगन सिंगार उम्र 30 साल व सुरेश पिता दिपक उम्र 25 साल निवासी नरवाली को गिरफतार किया है।

मेट्रो एंकर — **भोजशाला में साध्वी ऋतंभरा ने किया पूजन**

संतान तुलसी के पौधे, संस्कातरों के गंगाजल से सींचा जाना चाहिए- साध्वी

धार। दोपहर मेट्रो

पद्म भूषण से सम्मानित, सेवा, संस्कार, स्वाभिमान, राष्ट्र एवं हिंदुत्व जागरण की प्रखर वक्ता साध्वी ऋतंभरा एक दिवसीय दौरे पर धार पहुंची। मां साध्वी ने कोर्ट से निर्णय आने के बाद पहली मर्तबा भोजशाला में दर्शन व पूजन किया, भोजशाला मुक्ति आंदोलन के शुरुआती दिनों में साध्वी ऋतंभरा के द्वारा हिंदुओं में अलख जगाया था। भोजशाला के गर्भगृह में मां वाग्देवी के चित्र की पूजा-अर्चना वैदिक मंत्रोच्चार से साध्वी ऋतंभरा ने की। इस दौरान मंत्री सावित्री ठाकुर सहित बडी संख्या में मातृशक्ति मौजूद रही। पूजन के समय पूरे परिसर में जय श्रीराम और मां वाग्देवी के जयघोष गूंजते रहे। साध्वी ऋतंभरा ने पूजा-अर्चना कर देश और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजन के बाद भोज उत्सव समिति द्वारा दीदी मां का सम्मान भी किया गया।

पूजन के बाद साध्वी ऋतंभरा ने हिंदू समाज को संबोधित करते हुए कहा कि प्रहलाद को आग में जलाया गया पर जला नहीं पाए गए। इसी तरह भोजशाला का सत्य, अग्नि परीक्षाओं से गुजर-गुजर के उस सत्य को, उसके पक्ष को समझते हुए भोजशाला हिंदू समाज को सौंपी गई है। साधारण सी बुद्धि की बात है कि तथाकथित मौलाना पहले हुए थे या राजा भोज पहले हुए थे। राजा भोज पहले हुए थे, इतिहास कह रहा है। हम दोबारा राजा भोज के समय का वैभव यहां देखेंगे। वैभव क्या होता है। बिल्डिंगों से नहीं वैभव होता, बिल्डिंगें भी वैभव को व्यक्त करने का एक मार्ग होती हैं, इमारतें। लेकिन इस धरती ने ज्ञान और विज्ञान से, काव्य से, संगीत से और कला से पूरे भारत को श्रृंगारित किया था। भारतीयों की जो संतानें हैं, वे तुलसी के पौधे हैं, जिनको वासनाओं की शराबों से नहीं, संस्कारों के गंगाजल से सींचा जाना चाहिए। भोजशाला, ये स्थान पूरे भारत का नेतृत्व करेगी, ऐसा हमें दिखाई देता है। बहुत जल्दी सब कुछ होगा, भगवती आना चाहती हैं।

संघर्ष करके विवश करना था

मीडिया को चर्चा में साध्वीच ऋतंभरा ने कहा कि सबसे बड़ी बात है, हमारी युवा पीढ़ी बहुत बड़ी मात्रा में नहीं, लेकिन बहुत बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिनके मुंह पर अपशब्द आ गए हैं और लड़कियां तक मां-बहनों को गालियां देती हैं। जिन लड़कियों को संघर्ष करना चाहिए था, कि वो सरकारों को विवश करतीं, कि मां-बहन की गाली देने पे दंड मिलना चाहिए, वो स्वयं मां-बहन की गालियां दे रही हैं। जब हमारा अंत:करण इतना दूषित होकर अपशब्द और अपसंस्कृति का हम वर्णन कर रहे हैं, तो मां अधीर होकर कह रही है कि मुझे लंदन से चलकर धार आना ही होगा, क्योंकि मैं भारत को भारत बनाए रखना चाहती हूं, इसलिए भगवती जल्दी आएंगी।

टेस्ट सीरीजः श्रीलंका में टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा

बुमराह पहले से ही बाहर, अब शुभमन को लगी चोट ने बढ़ाई टीम इंडिया की चिंता

कोलंबो , एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं, बल्कि टीम इंडिया के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के लिहाज से बेहद अहम होने वाली है। पिछले वर्ष घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 की हार के बाद भारतीय टीम के लिए अब हर टेस्ट मुकाबला निर्णायक बन गया है। सीरीज शुरू होने से पहले ही भारतीय टीम को चोटों ने बड़ा झटका दिया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके अलावा साई सुदर्शन, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी भी पूरी तरह फिट नहीं हैं। इन सबके बीच कप्तान शुभमन गिल से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ गई है। अभ्यास सत्र के दौरान गिल के अंगूठे में चोट लग गई है। चोट लगते ही उन्हें नेट्स छोड़कर मेडिकल स्टाफ के पास जाना पड़ा। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, उपचार के बाद भारतीय कप्तान फिर से नेट्स में लौटे और बल्लेबाजी भी जारी रखी। इससे टीम मैनेजमेंट ने राहत की सांस ली। फिलहाल चोट गंभीर नहीं बताई जा रही है। इन परिस्थितियों में टीम प्रबंधन को ऐसी प्लेइंग इलेवन तैयार करनी होगी जो श्रीलंका की परिस्थितियों में जीत दिलाने में सक्षम हो।

भारतीय टीम की सबसे बड़ी चिंता नंबर-3 बल्लेबाजी क्रम को लेकर है। साई सुदर्शन अभी भी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चोट से उबर रहे हैं। हालांकि उनके समय पर टीम से जुड़ने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन पहले टेस्ट में उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। यदि सुदर्शन फिट नहीं हो पाते हैं तो देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल के बीच जगह के लिए मुकाबला होगा।

नंबर-3 बल्लेबाज, तेज गेंदबाजी और स्पिन संयोजन पर टिकी पहले टेस्ट की रणनीति

बुमराह की गैरमौजूदगी में किस पर होगा भरोसा?

जसप्रीत बुमराह का बाहर होना भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के लिए सबसे बड़ा नुकसान माना जा रहा है। उनकी अनुपस्थिति में अनुभवी मोहम्मद सिराज पर तेज गेंदबाजी की अगुआई की जिम्मेदारी होगी। अब सवाल यह है कि नई गेंद सिराज के साथ कौन संभालेगा। प्रसिद्ध कृष्णा के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है और वह फिलहाल सबसे मजबूत दावेदार नजर आते हैं। दूसरी ओर पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किए गए युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी भी अपने पदार्पण का इंतजार कर रहे हैं। यदि टीम प्रबंधन भविष्य को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहता है तो आकिब को टेस्ट कैप मिल सकती है। यह फैसला भारतीय तेज गेंदबाजी की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।

गॉल की पिच पर स्पिन संयोजन भी अहम

श्रीलंका के गॉल की पिच पारंपरिक रूप से स्पिन गेंदबाजों की मददगार मानी जाती है। ऐसे में रवींद्र जडेजा का खेलना लगभग तय है, लेकिन उनके साथ कितने और कौन से स्पिनर उतरेंगे, यह बड़ा सवाल बना हुआ है। अनुभवी कुलदीप यादव अपनी कलाई की स्पिन और विविधता के कारण सबसे मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं। वहीं युवा स्पिनर मानव सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने पदार्पण टेस्ट में प्रभावशाली प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किए गए सारांश जैन भी दावेदारी पेश कर रहे हैं। यदि भारत तीन स्पिनरों के साथ मैदान में उतरता है तो टीम प्रबंधन को अनुभव, मौजूदा फॉर्म और संतुलन के बीच सही फैसला लेना होगा।

अभ्यास मैच से मिल सकते हैं जवाब

भारतीय टीम आज से कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड पर श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। यह मुकाबला टीम प्रबंधन के लिए अंतिम तैयारी का अवसर होगा। इसी मैच में नंबर-3 बल्लेबाजी, तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन संयोजन को लेकर कई सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद है। 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में भारत की नजर जीत के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप अभियान को मजबूती देने पर होगी। लेकिन उससे पहले शुभमन गिल और गौतम गंभीर को टीम चयन की इन तीन बड़ी चुनौतियों का सही समाधान निकालना होगा।

बारिश बनी आयरलैंड के लिए बिलेन

वर्ल्ड कप 2027 की डायरेक्ट एंट्री का सपना हुआ चकनाचूर

ब्रीडी (यूके), एजेंसी

अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच खेला जाने वाला पहला वनडे मुकाबला लगातार बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया। यह सिर्फ एक मैच का रद्द होना नहीं था, बल्कि आयरलैंड के लिए 2027 आईसीसी पुरुष वनडे वर्ल्ड कप में सीधे क्वालिफाई करने की आखिरी उम्मीद भी इसी के साथ खत्म हो गई। मुकाबला धुलते ही टीम का पूरा समीकरण बिगड़ गया और अब उसे कठिन क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

आयरलैंड फिलहाल आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग में 12वें स्थान पर है। टीम के पास डायरेक्ट क्वालिफिकेशन का बेहद कठिन रास्ता था। उसे अफगानिस्तान के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज 5-0 से जीतनी थी। इसके अलावा यह भी जरूरी था कि वेस्टइंडीज भारत के खिलाफ अपनी बची हुई दोनों वनडे मैच हार जाए। तभी आयरलैंड रैंकिंग में अफगानिस्तान, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से आगे निकलकर सीधे 2027 वर्ल्ड कप का टिकट हासिल कर सकता था। लेकिन पहला मुकाबला ही रद्द होने से यह गणित पूरी तरह खत्म हो गया।

अब क्वालिफायर ही बनेगा आखिरी सहारा

डायरेक्ट एंट्री की उम्मीद टूटने के बाद अब आयरलैंड को आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर खेलना होगा। इस 10 टीमों के टूर्नामेंट की विजेता टीम सीधे 2027 वनडे वर्ल्ड कप में जगह बनाएगी। वहीं दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को वर्ल्ड कप सुपर सीरीज खेलने का मौका मिलेगा, जहां तीन टीमों में से सिर्फ एक टीम मुख्य टूर्नामेंट का अंतिम टिकट हासिल करेगी। क्वालिफायर में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को छोड़कर आईसीसी वनडे रैंकिंग की दो सबसे निचली फुल मेंबर टीमें हिस्सा लेंगी। इनके साथ आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 की शीर्ष चार टीमें और क्वालिफायर प्लेऑफ से आने वाली चार टीमें भी खेलेंगी। प्लेऑफ में लीग-2 की निचली चार टीमों के अलावा चैलेंज लीग की चार टीमें उतरेंगी, जिनमें से शीर्ष चार टीमें मुख्य क्वालिफायर में पहुंचेंगी।

भारत और साउथ अफ्रीका सीरीज में बड़ा फेरबदल, अब होंगे 7 धमाकेदार मुकाबले

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दिसंबर में होने वाले साउथ अफ्रीका दौरे के कार्यक्रम में बड़ा बदलाव किया गया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने पहले से तय कार्यक्रम में तीन टी20 इंटरनेशनल मुकाबले जोड़ दिए हैं। अब दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। इस फैसले के बाद दौरा पहले से ज्यादा रोमांचक और चुनौतीपूर्ण हो गया है।

टी20 सीरीज को शामिल करने का फैसला फरवरी 2027 में श्रीलंका में होने वाली पहली ICC महिला चैंपियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। दोनों टीमें इस बड़े टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना चाहती हैं। ऐसे में अतिरिक्त टी20 मुकाबले खिलाड़ियों को मैच प्रैक्टिस और टीम संयोजन को मजबूत करने का शानदार मौका देंगे। क्रिकेट साउथ अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने संशोधित कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि त्योहारी सीजन में टी20 सीरीज जोड़ने से प्रोटियाज महिला टीम को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बेहतर तैयारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में शामिल भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में खेलना दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम अनुभव साबित होगा।

ऐसा रहेगा पूरा दौरा

भारत का दौरा 9 दिसंबर से गकेबरहा में खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के साथ शुरू होगा। इसके बाद 16, 19 और 22 दिसंबर को क्रमशः पार्ल, केप टाउन और ब्लोमफोंटेन में तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे सीरीज के बाद 26 दिसंबर से टी20 सीरीज का आगाज होगा। पहला मुकाबला बेनोनी में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा टी20 क्रमशः 29 और 30 दिसंबर को पोटचेफस्ट्रूम में होगा। अब इस बदले हुए कार्यक्रम के साथ दोनों टीमें चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपनी ताकत परखने के लिए पूरी तरह तैयार होंगी।

टी20 किंग बटलर की वैभव सूर्यवंशी पर बड़ी भविष्यवाणी

भविष्य में किशोर सितारा रचेगा नया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में नया इतिहास रचते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। द हंड्रेडटूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए बटलर ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़ दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद बटलर ने भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर ऐसी भविष्यवाणी की, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में बटलर ने कहा कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड हमेशा उनके पास नहीं रहेगा। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ÷एक दिन कोई इस रिकॉर्ड को जरूर तोड़ेगा और मुझे लगता है कि उसका नाम वैभव सूर्यवंशी होगा।÷ बटलर का यह बयान 15 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज की प्रतिभा पर उनके भरोसे को दर्शाता है। वैभव सूर्यवंशी ने पिछले एक साल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत को प्रभावित किया है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ियों में जगह बनाई।

आईपीएल में भी बरपा चुका है कहर

वैभव का बल्ला आईपीएल 2026 में भी जमकर बोला। उन्होंने 16 मैचों में 48 की औसत और 237 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और टूर्नामेंट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उनकी लगातार शानदार पारियों ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का उभरता हुआ सुपरस्टार बना दिया है।

बटलर ने तोड़ा पोलार्ड का रिकॉर्ड

द हंड्रेड में वेल्श फायर के खिलाफ मुकाबले में बटलर ने केवल 20 गेंदों में 51 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें दो चौके और छह छक्के शामिल रहे। इस पारी के साथ उनके टी20 करियर के कुल रन 14,833 हो गए। उन्होंने 14,803 रन बनाने वाले कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया। इस सूची में 14,562 रन के साथ क्रिस गेल तीसरे स्थान पर हैं। बटलर की उपलब्धि के साथ ही वैभव सूर्यवंशी को लेकर उनकी भविष्यवाणी भी अब क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का बड़ा विषय बन गई है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

ट्रॉफी जीतते ही बदले रिश्तों के रंग!

लॉकअप-2 की सक्सेस पार्टी में साथ थिरकीं श्रेया और शिवांगी

वेब रियलिटी शो लॉकअप-2 का सफर खत्म होने के साथ ही शो को उसकी विजेता मिल गई। श्रेया कालरा ने इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। शो की सक्सेस पार्टी में उस वक्त हर कोई हैरान रह गया, जब पूरे सीजन एक-दूसरे के खिलाफ नजर आईं श्रेया कालरा और शिवांगी जोशी ने साथ मिलकर डांस किया। दोनों का यह अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

निर्माता एकता कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेलिब्रेशन का वीडियो साझा किया। वीडियो में श्रेया कालरा और शिवांगी जोशी गोविंदा और रवीना टंडन के लोकप्रिय गीत %चलो इश्क लड़ाए% पर मस्ती भरे अंदाज में डांस करती नजर आईं। पार्टी में शो के अन्य प्रतियोगियों के साथ बॉलीवुड की कई हस्तियां भी मौजूद रहीं। वीडियो साझा करते हुए एकता कपूर ने विजेता को बधाई देते हुए शो के सफल समापन की खुशी जाहिर की।

पूरे सीजन छाया रहा दोनों का विवाद– लॉकअप-2 के दौरान श्रेया और शिवांगी के बीच कई बार तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी। दोनों अक्सर अलग-अलग मुद्दों पर आमने-सामने आ जाती थीं और उनकी बहस शो की प्रमुख चर्चाओं में शामिल रही। यही वजह रही कि सक्सेस पार्टी में दोनों का साथ डांस करना फैंस के लिए किसी बड़े सरप्राइज से कम नहीं था।

फिनाले से पहले बढ़ गई थी तल्खी

शो के अंतिम दौर में दोनों के रिश्तों में और ज्यादा खटास आ गई थी। शिवांगी जोशी ने चुनौती देते हुए कहा था कि यदि श्रेया शो जीत गईं तो वह अपना नाम बदल लेंगी। इस पर श्रेया ने हंसते हुए जवाब दिया था,ठीक है, फिर कौन सा नाम रखना है? इसके बाद गेम में मिले विशेष अधिकार का इस्तेमाल कर श्रेया ने शिवांगी को बाहर करने की कोशिश भी की, जिससे दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया। फिनाले से पहले सबसे बड़ा मोड़ तब आया, जब पहले से फाइनलिस्ट बन चुके हर्षद चोपड़ा ने अपनी विशेष शक्ति का इस्तेमाल करते हुए शिवांगी जोशी को सुरक्षित कर दिया। उन्होंने खुद प्रतियोगिता से बाहर होकर शिवांगी को फाइनल में पहुंचाया।

बिग बी ने बताया भोजपुरी फिल्म का किस्सा, बोले- अपने मेकअप आर्टिस्ट के साथ की थीं दो फिल्में

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति का आगाज कर दिया है। एक एपिसोड में कंटेस्टेंट के साथ मजेदार बातचीत में अभिनेता ने अपने भोजपुरी सिनेमा में काम करने के अनुभव को साझा किया। शो के होस्ट चैनल ने एपिसोड अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें कंटेस्टेंट ने कहा कि बिहार के लोग अमिताभ बच्चन को बहुत मानते और पसंद करते हैं। साथ ही, कंटेस्टेंट ने उनसे रिक्वेस्ट की कि वो और ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम करें।

कंटेस्टेंट की बात का मान रखते हुए अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा, ÷सर, हमारे मेकअप मैन का नाम दीपक है, मैंने जब भोजपुरी फिल्में की थी, तो ये हमारे साथ थे। आपने अब तक नहीं देखी क्या? इसके बाद कंटेस्टेंट ने कहा, हां, आपकी फिल्म गंगा है लेकिन आप ओटीटी पर भी आइए और भोजपुरी में भी काम कीजिए।

ये सुनकर अमिताभ बच्चन थोड़ा कंफ्यूज हो गए और अपने अंदाज में बोले, अरे, वो भोजपुरी वाली ही फिल्म थी। कंटेस्टेंट ने आगे बातचीत में बताया कि उनका बेटा मेगास्टार अमिताभ बच्चन को केबीसी अंकल के नाम से जानता है, जिसे सुनकर अभिनेता जोर से हंस पड़े। कंटेस्टेंट ने आगे बताया, आप जो अपनी बात इतने रौब से बोलते हैं, हां ये कहानी जो है, बरसों पुरानी है आपको पता है, मैं परिवार के साथ कहीं भी जाता हूं, तो वहां आपके शो के होर्डिंग्स लगे रहते हैं, तो उसे देखकर मेरा बेटा बोलता है, देखो न पापा केबीसी अंकल। उसने आपका नाम ही यही रख दिया है। इस बात पर अमिताभ बच्चन हंस पड़े, और उन्होंने मजाक में कहा, सर, पचपन साल से हम फिल्मों में काम कर रहे हैं, वो मिट गया है।

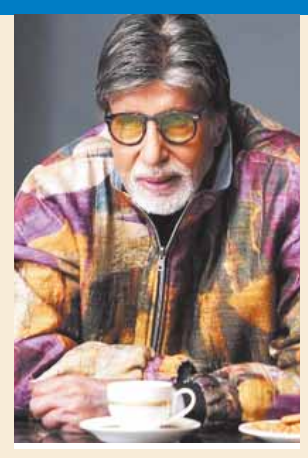

मेट्रो बाजार

भारतीय आईटी सेक्टर में भर्ती सालाना 10 % बढ़ी

नई दिल्ली । भारत के तकनीकी रोजगार बाजार में इस समय दो अलग-अलग रुझान देखने को मिल रहे हैं। एक ओर टेक्नोलॉजी से जुड़े कार्यों की मांग में सालाना 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर एंट्री-लेवल आईटी नौकरियों में कमी देखने को मिली है। यह जानकारी जॉब पोर्टल फाउंडइट की एक नई रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित भूमिकाएं तेजी से भर्ती का हिस्सा बन रही हैं। एक साल पहले जहां एंट्री-लेवल भर्तियों में एआई से जुड़े पदों की हिस्सेदारी लगभग 1 प्रतिशत थी, वहीं अब यह बढ़कर 4 प्रतिशत हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियां अब केवल एआई मॉडल विकसित करने के लिए ही नए उम्मीदवारों की भर्ती नहीं कर रही हैं। इसके बजाय वे ऐसे प्रतिभाशाली कर्मचारियों की तलाश कर रही हैं, जो एआई सिस्टम का संचालन, सत्यापन और अनुकूलन कर सकें। आईटी उद्योग में फ्रेशर भर्ती की हिस्सेदारी भी घटी है। पिछले वर्ष जहां कुल फ्रेशर हायरिंग में आईटी सेक्टर का योगदान 32 प्रतिशत था, वहीं अब यह घटकर 24 प्रतिशत रह गया है। इससे संकेत मिलता है कि तकनीक-आधारित नौकरियां अब केवल पारंपरिक आईटी कंपनियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बैंकिंग, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग), हेल्थकेयर और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) जैसे क्षेत्रों में भी तेजी से बढ़ रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आईटी ऑक्युपेशन इंडेक्स में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि आईटी इंडस्ट्री इंडेक्स में 6 प्रतिशत की गिरावट आई।

रियल एस्टेट दिग्गज सिग्नेचर ग्लोबल इंडिया को पहली तिमाही में 16.5 करोड़ रुपए का घाटा

मुंबई। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल इंडिया लिमिटेड चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में घाटे में चली गई है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि उसे पहली तिमाही में 16.5 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध घाटा (नेट लॉस) हुआ है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 34.4 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, कंपनी की परिचालन आय (रेवेन्यू) में भी गिरावट दर्ज की गई। जून तिमाही में कंपनी का राजस्व घटकर 552 करोड़ रुपए रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 865.6 करोड़ रुपए था।

परिचालन स्तर पर भी कंपनी का प्रदर्शन कमजोर रहा। जून तिमाही में सिग्नेचर ग्लोबल का ईबीआईटीडीए 44.7 करोड़ रुपए के घाटे में रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 33 करोड़ रुपए का ईबीआईटीडीए लाभ कमाया था।

इस बीच, सत्र में रियल एस्टेट डेवलपर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। बाजार बंद होने के समय कंपनी के शेयर 0.33 प्रतिशत यानी 2.70 रुपए की गिरावट के साथ 811 रुपए पर बंद हुए। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में यह स्टॉक 0.40 प्रतिशत यानी 3.25 रुपए कमजोर हुआ है। हालांकि, एक महीने के नजरिए से देखें तो शेयर ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर 2.82 प्रतिशत या 22.25 रुपए चढ़े हैं।

लॉन्ग टर्म के प्रदर्शन पर नजर डालें तो पिछले 6 महीनों में कंपनी के शेयरों में 8.88 प्रतिशत यानी 79 रुपए की गिरावट आई है। वहीं, वर्ष 2026 की शुरुआत से अब तक शेयर करीब 28.15 प्रतिशत यानी 317.70 रुपए टूट चुका है।

सालौलिम बांध : गोवा की हरियाली के बीच प्रकृति और इंजीनियरिंग का अद्भुत संगम

दक्षिण गोवा के सांगेम क्षेत्र में स्थित सालौलिम बांध राज्य की जलापूर्ति व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा यह बांध अपनी प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। विशेष रूप से इसका 'डकबिल स्पिलवे' पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र माना जाता है। मानसून के दौरान जब बांध लबालब भर जाता है, तब यहां का मनोरम दृश्य लोगों को अपनी ओर खींच लेता है। सालौलिम बांध न केवल गोवा के लाखों लोगों की पेयजल जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि सिंचाई और जल संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक यहां की हरियाली, शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंचते हैं। प्रकृति और आधुनिक इंजीनियरिंग का यह अनूठा संगम गोवा की खूबसूरती में चार चांद लगाता है और पर्यावरण संरक्षण के महत्व का संदेश भी देता है।

न्यू मैक्सिको कोर्ट का फैसला : इलाज, जागरुकता और सुरक्षा पर खर्च होगी रकम

युवओं की मेंटल हेल्थ को हुआ नुकसान मेटा पर लगा 9030 करोड़ का जुर्माना

वॉशिंगटन. एजेंसी

अमेरिकी राज्य न्यू मैक्सिको की अदालत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा पर 942 मिलियन डॉलर (करीब 9030 करोड़ रुपए) का जुर्माना लगाया है। अदालत ने माना कि कंपनी के प्लेटफॉर्म युवाओं की मानसिक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं।

अदालत के आदेश के मुताबिक, जुर्माने की राशि में से 420 मिलियन डॉलर (करीब 3993 करोड़ रुपए) युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य उपचार पर खर्च किए जाएंगे, जबकि शेष राशि अगले पांच वर्षों में जागरूकता अभियान, रोकथाम कार्यक्रम और स्क्रीनिंग सेवाओं पर खर्च होगी। मामले की सुनवाई दो चरणों में हुई। पहले चरण में कंपनी पर 375 मिलियन डॉलर और दूसरे चरण में 567 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया गया। अदालत में यह भी कहा गया कि सोशल मीडिया एल्गोरिदम युवाओं को लंबे समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखने के लिए तैयार किए गए, जिससे उनमें लत, अवसाद और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ीं। न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेस द्वारा दायर इस मामले में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा, एज वेरिफिकेशन और प्राइवेसी सिस्टम को मजबूत करने की मांग भी उठाई गई है।

दो चरणों में चली सुनवाई लगा रिकॉर्ड जुर्माना

यह मामला दो चरणों में चला। पहले चरण में अदालत ने कंपनी पर 375 मिलियन डॉलर (करीब 3571 करोड़ रुपये) का सिविल जुर्माना लगाया। दूसरे चरण में 567 मिलियन डॉलर (करीब 5390 करोड़ रुपये) का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया। अदालत ने कहा कि कंपनी को बच्चों से जुड़े संभावित खतरों की जानकारी थी, लेकिन उसने समय रहते पर्याप्त कदम नहीं उठाए। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही और ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

420 मिलियन डॉलर युवाओं के उपचार पर किए जाएंगे खर्च

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि जुर्माने में से 420 मिलियन डॉलर युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य उपचार पर खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा शेष राशि अगले पांच वर्षों तक जागरुकता अभियान, रोकथाम कार्यक्रम और मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग सेवाओं के लिए इस्तेमाल होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया की बढ़ती लत से किशोरों में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में यह फैसला दुनिया भर की टेक कंपनियों के लिए एक बड़ा संदेश माना जा रहा है कि उन्हें अपने प्लेटफॉर्म को अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना होगा।

एल्गोरिदम और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी उठाए गए सवाल

जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम इस तरह तैयार किया गया था कि उपयोगकर्ता, खासकर बच्चे और किशोर, लंबे समय तक उससे जुड़े रहें। आरोप है कि इससे युवाओं में सोशल मीडिया की लत, अवसाद और अन्य मानसिक समस्याओं का खतरा बढ़ा। इसके अलावा बच्चों के यौन शोषण और ऑनलाइन शिकार बनाए जाने के मामलों को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए। अभियोजन पक्ष ने अदालत से एज वेरिफिकेशन, सख्त प्राइवेसी सेटिंग्स और निगरानी तंत्र को और मजबूत बनाने की मांग की है।

पटना में एनएच-30 पर हादसे के बाद हिंसा: युवक की मौत से भड़की भीड़ ने बस और पुलिस की 2 गाड़ियों को फूंका

नई दिल्ली. एजेंसी

अगमकुआं थाना अंतर्गत बड़ी पहाड़ी के समीप राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 30 पर आज सुबह एक तेज रफ्तार यात्री बस ने एक युवक को कुचल दिया। मृतक की पहचान स्थानीय 26 वर्षीय मनीष कुमार के रूप में हुई। घटना से आक्रोशित लोगों ने बस में आग लगा दी। यात्री जान बचाकर भाग निकले। पुलिस की दो गाड़ियों समेत अन्य गाड़ियों में भी आग लगा दी। लोगों

ने एनएच से गुजर रहे कई अन्य वाहनों में तोड़फोड़ की। सूचना पाकर पहुंची कई थानों की पुलिस भी भीड़ के आगे कुछ नहीं कर सकी। भीड़ ने पुलिस को भी खदेड़ दिया। हालांकि बाद में 5 थानों की पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मीडियाकर्मी के साथ मारपीट की गई। उसकी गाड़ी में भी आग लगा दी गई। आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे दमकल और फायर कर्मियों को भी जान बचाकर भागना पड़ा। हंगामे के कारण एनएच पर जाम लग गया है। वाहनों की कतार लग गई है।

बीरू वाल्मीकि हत्याकांड

पुलिस मुठभेड़ में ढेर हुए दो आरोपी, एनकाउंटर की मांग पर अड़ा था परिवार

करनाल. एजेंसी। हरियाणा के करनाल में बीरू वाल्मीकि हत्याकांड के दो आरोपियों की गुरुवार देर रात पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई। गांव घोगरिपुर के पास हुई इस मुठभेड़ में घायल आरोपियों हर्ष नीलोखेड़ी और कैथल निवासी बीरबल को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भगवाड़िया गैस एजेंसी के पास बीरू वाल्मीकि की हत्या कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर एक युवक ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए इंस्टाग्राम विवाद को इसकी वजह बताया था। हत्या के बाद परिजनों ने आरोपियों के एनकाउंटर की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया था और शव लेने से इनकार कर दिया था। विधायक जगमोहन आनंद व डीएसपी संदीप कुमार भी स्वजनों को मनाने में कामयाब नहीं हुए। बड़ी संख्या में समाच के लोगों ने मुर्दाघर के बाहर धरना दिया। सभी ने आरोपियों के एनकाउंटर की मांग की। वहीं, बीरू की पत्नी ममता ने कहा था, 'हमें खून के बदले खून चाहिए।' सात महीने पहले ही दोनों की शादी हुई थी। वहीं, वहीं, आरोपितों की एंकाउंटर की मांग को लेकर परिवार ने आंबेडकर चौक पर धरना-प्रदर्शन किया।

कट-पेस्ट से गलत नाम दर्ज होने पर सख्त हुआ हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने दिए डीएनए रिपोर्टों की स्वतंत्र जांच करने के आदेश

पांच वर्षों की 20 फीसदी रिपोर्टों की होगी जांच

जबलपुर. एजेंसी

मप्र हाईकोर्ट ने डीएनए रिपोर्ट में कट-पेस्ट के जरिए गलत नाम दर्ज होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने भोपाल स्थित एफएसएल द्वारा पिछले पांच वर्षों में तैयार की गई डीएनए और अन्य वैज्ञानिक रिपोर्टों में से 20 प्रतिशत रिपोर्टों की स्वतंत्र जांच कराने के आदेश दिए हैं।

अदालत ने मुख्य सचिव को सात दिन के भीतर प्रदेश के बाहर के तीन वैज्ञानिक अधिकारियों की स्वतंत्र समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह समिति छह महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करेगी। मामले की अगली सुनवाई 15 अगस्त को होगी। सुनवाई के दौरान एफएसएल की प्रभारी निदेशक डॉ. हर्षा सिंह व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित हुईं। उन्होंने स्वीकार

किया कि डीएनए रिपोर्ट में गलत नाम दर्ज होना कट-पेस्ट की त्रुटि के कारण हो सकता है। इस पर अदालत ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि एक मामले में ऐसी गलती सामने आई है, तो अन्य रिपोर्टों की भी जांच जरूरी है। मामला नर्मदापुरम जिले के निवासी पंकज कुमार बिंदोलिया की आपराधिक अपील से जुड़ा है, जिसने पॉक्सो कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अदालत ने एफएसएल निदेशक पद पर विषय विशेषज्ञ की नियुक्ति पर भी सरकार से गंभीरता से विचार करने को कहा है।

अस्पताल का गजब कारनामा... टूटे पैर पर प्लास्टर की जगह बांध दिया कार्टन

पटना. एजेंसी। बेगूसराय जिले के अनुमंडलीय अस्पताल मंझौल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक के टूटे पैर को कार्टन से बांधकर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय रेफर किए जाने का दृश्य दिख रहा है। वीडियो सामने आने के बाद अस्पताल की आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था और उपलब्ध संसाधनों को लेकर लोगों में चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

मेट्रो एंकर

224 ट्रांसफार्मर और 14 पेयजल योजनाएं ठप; अब तक 142 लोगों की मौत

हिमाचल में मानसून का कहर: 798 करोड़ का नुकसान, 145 सड़कें बंद

शिमला. एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में 145 सड़कें बंद हैं, जबकि 224 बिजली ट्रांसफार्मर और 14 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं। सबसे ज्यादा असर मंडी जिले में देखने को मिला है, जहां 66 सड़कें और 182 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं।

कुल्लू में 31 सड़कें और 31 ट्रांसफार्मर बंद हैं, जबकि सिरमौर, शिमला, कांगड़ा, ऊना और किन्नौर में भी यातायात और बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है। शिमला जिले की पांच पेयजल योजनाओं के ठप होने से लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 30 जून से 6 अगस्त तक मानसून के कारण प्रदेश में 142 लोगों की जान जा चुकी है और 224 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को करीब 798 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने और जारी एडवाइजरी का पालन करने

की अपील की है। 30 जून से 6 अगस्त 2026 के बीच मानसून ने हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में 142 लोगों की मौत हुई है, जबकि 224 लोग घायल हुए हैं। सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को मिलाकर करीब 797.86 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। लोक निर्माण विभाग को सबसे ज्यादा आर्थिक क्षति हुई है। इसके अलावा बिजली, जल शक्ति, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कृषि और बागवानी क्षेत्रों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है।

मंडी बना सबसे ज्यादा प्रभावित जिला

हिमाचल में बारिश का सबसे अधिक असर मंडी जिले में देखने को मिला है। यहां 66 सड़कें बंद होने से कई गांवों का संपर्क टूट गया है। जिले में 182 बिजली ट्रांसफार्मर ठप होने से सैकड़ों परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। कुल्लू में 31 सड़कें और 31 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सिरमौर में 28, शिमला में 12, कांगड़ा में पांच, ऊना में दो और किन्नौर में एक सड़क बंद है। प्रशासन सड़कों को बहाल करने और बिजली आपूर्ति सुचारु करने में जुटा हुआ है।

बिजली-पानी संकट से बढ़ी मुश्किलें

भारी बारिश के चलते प्रदेश में 224 बिजली ट्रांसफार्मर और 14 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। मंडी और कुल्लू के अलावा शिमला और सोलन में भी बिजली आपूर्ति बाधित है। शिमला जिले की पांच पेयजल योजनाएं बंद होने से लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम में अनावश्यक यात्रा से बचें और प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

महिला के कपड़े पहनकर तीन बच्चों के पिता ने की आत्महत्या

जयपुर। जयपुर में एक व्यक्ति ने महिला के कपड़े पहनकर आत्महत्या की है। आत्महत्या करने वाले 31 वर्षीय वसीम अंसारी ने लाल रंग का लहंगा पहनने के साथ ही बिग लगा रखा था। बिस्तर पर चूड़ियां भी पड़ी हुई मिली है। वसीम ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस के अनुसार सैयद कालोनी निवासी मृतक वसीम तीन बच्चों का पिता था। वसीम ने बुधवार को अपनी पत्नी खेरूनिशा को बच्चों के साथ मायके भेजा था। इसके बाद उसने इस वारदात को अंजाम दिया। सुबह उसके परिजनों ने पुलिस को इस घटना की सूचना दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564